Amaan
राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 304
विध्वंस
एक
20/- मूल्य का
जिग्सा पजल
मुफ्त

जब जाग उठेंगी सदियों से सोई दो अंजान शक्तियां और दांव पर लगी होंगी पृथ्वी के रक्षकों की जानें तो फिर कौन बचाएगा होने से धरती का...

विध्वंस

कथाः अनुपम सिन्हा

चित्रः अनुपम सिन्हा

इंकिंगः विनोदकुमार

कैलीग्राफी और रंगः सुनील पाण्डेय

सम्पादकः मनीष गुप्ता
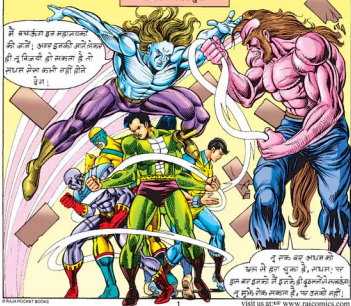
मैं बचाऊंगा इन महानायकों की जानें! अगर इनकी जानें लेकर ही तू विजयी हो सकता है तो सधम ऐसा कभी नहीं होने देगा!

तू एक बार अधम को छल से हरा चुका है, सधम! पर इस बार इनको मैं इनके ही दुश्मनों से मरवाऊंगा! तू मुझे रोक सकता है, पर उनको नहीं!

असम के हजारों वर्गमील क्षेत्र में फैले हुए घने जंगल! यहां पर इंसान तो क्या, सूर्य की किरण तक अंदर घुसने को तरस जाती है-

पत्तों की यह हरी चादर अपने नीचे अनगिनत रहस्यों और अचरजों को छिपाए हुए हैं-

और इन्हीं अचरजों में से एक है, कोबी! भेड़ियों का मालिक-

अरे नासपीटे! शराबी! तू मर क्यों नहीं जाता!

ये कौन मेरी नींद खराब करने की हिम्मत कर रहा है?

छोड़ मेरे बाल! वर्ना मुंह नोंच लूंगी!

छोड़ मेरे पति को जानवर! अगर उसको दुबारा मारा तो मैं तेरा खून पी जाऊंगी!

अरे! अभी यही तुझे पीट रहा था और तू इसका पक्ष लेकर मुझसे लड़ रही है! तेरी तो...
नादान है कोबी जी! समझ जाएगी! मैं समझा दूंगा! हम... हम चलते हैं!
अरे! ये मेरा पति है! मुझे झापड़ मारे, घूंसा मारे, या जान से मार डाले! ये कोबी कौन होता है मियां बीवी के बीच में बोलने वाला?
अच्छा, अच्छा, तू यहां से चली जा! मैं आता हूं!
यार, एक बात तो बता! तू इसको पीट क्यों रहा था?
ये अपने मायके वाले कबीले चली गई थी कोबी जी! कहती थी कि मैं शराब ज्यादा पीता हूं! पर पत्नी को पति के साथ ही रहना चाहिए! इसीलिए मैं इसको जबरदस्ती अपने घर ले जा रहा था!
हुम! बात तो तेरी सही है! जेन मेरी बीवी है! पर वो मेरे साथ नहीं रहती!
तो उसको पीट-कर ले आओ!
रे! जेन को पीटने की बात की तो तुझे वैसे ही पीटूंगा जैसे तू अपनी बीवी को पीट रहा था! कोई और तरीका बता जेन को यहां लाने का!
औरतें ताकतवर को पसंद करती हैं, जो उनकी रक्षा कर सके!
तुम अपने आपको भेड़िया से ज्यादा ताकतवर साबित कर दो!
फिर वो भेड़िया को छोड़कर तुम्हारे पीछे पीछे चली आएगी!
सच!
एकदम सच!
अरे, खुश कर दिया रे तूने कोबी को! देख, मेरी दुम अपने आप हिलने लगी है! जा, बख्श दी मैंने तेरी जान! पर भेड़िया की जान मैं नहीं बख्शूंगा! जेन पर अपनी ताकत का सिक्का जमाकर ही रहूंगा! जेन रहेगी तो बस कोबी के साथ!
मियां बीवी साथ-साथ!
जा बेटा! अभी भेड़िया से पिटेगा तो तेरा दिमाग अपने आप ठिकाने पर आ जाएगा!

बेचारा कोबी एक शातनी जंगली की बातों को सच मानकर पहुंच गया था जेन को अपनी ताकत दिखाने-
जेन!
गैंडों के साथ जगलिंग क्यों कर रहे हो?
कोबी! ये...ये तुम क्या कर रहे हो?
तभी-
एक गैंडा बिदक गया-
घप
तुमको अपनी ताकत दिखा रहा हूं! मैं भेड़िया से ज्यादा ताकतवर हूं! इसलिए तुम मेरे साथ चलकर रहो!
जेन की तरफ लपक पड़ा-
और कोबी को घायल करने के साथ-साथ-
कोबी के पास, जेन तक पहुंच पाने का वक्त नहीं था-

लेकिन जेन की किस्मत में मौत अभी नहीं लिखी थी-

हट दूर जेन से!

घड़ाक

और तू भी भाग जा यहां से कोबी! पर जाने से पहले एक बात सुन ले! आइंदा अगर तूने जेन को ऐसे खतरनाक खेल दिखाकर प्रभावित करने की कोशिश की तो तेरा भी इस गैंडे जैसा ही हाल करूंगा!

जेन को तो तूने बहका रखा है भेड़िया! और अब गैंडे को घूंसे से बेहोश करने का जो काम मैं करने वाला था, वह तूने करके मेरे काम में टांग अड़ा दी है!... अब जो घूंसा मैं गैंडे को मारने वाला था, वह अब...

कोबी और भेड़िया का युद्ध हमेशा की ही तरह घमासान ही रहा था-
और हमेशा की ही तरह भेड़िया, कोबी पर भारी पड़ रहा था-
पहले अपनी पशुओं जैसी प्रवृत्ति छोड़, कोबी! फिर इंसानों को साथ रखने की सोचना!
कोबी तो है ही पशु! भेड़ियों का मालिक! फिर मैं अपनी प्रवृत्ति भला कैसे छोड़ सकता हूं!
चल! तुझे फाड़ने के बाद मैं यह प्रवृत्ति छोड़ दूंगा!
मंजूर है तो बोल!
मंजूर है! बस, तू मुझको फाड़कर दिखा!
आईऽऽऽ! अपने नाखून मैं भला क्यों गंदे करूं? भेड़ियो!
कोबी की पुकार पर-
भेड़ियों की फौज दौड़ती चली आई-
ओफ्! कोबी इस बार सचमुच पागल हो गया है! मुझ पर भेड़िये छोड़ रहा है। ये तो सचमुच मुझको फाड़ डालेंगे!
इतने सारे भेड़ियों से मैं एक साथ नहीं लड़ सकता! फिलहाल लड़ाई से अच्छा बचाव है...
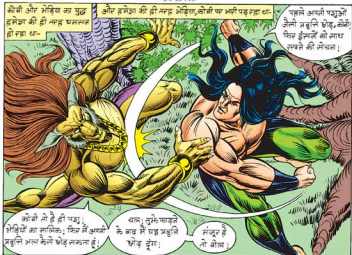
फिलहाल तो यह पेड़ मेरी जान बचा सकता है! इस पर मैं तो चढ़ सकता हूं लेकिन भेड़िया फौज नहीं चढ़ सकती!
हा हा हा! तुझे भागता हुआ देखकर मजा तो आ रहा है लेकिन मेरे भेड़िए भूखे रह जाएंगे! तुझे इनके सामने परोसना तो पड़ेगा ही!
उतर! नीचे उतर! वर्ना इतनी ऊपर से गिरकर तो तू वैसे ही चूर-चूर हो जाएगा! मेरे भेड़िए तेरी हड्डियां कैसे चबाएंगे?
कोबी की शक्तिशाली भुजाओं ने उस मोटे पेड़ को जड़ से उखाड़ दिया-
और भेड़िया को मजबूरन नीचे उतरना ही पड़ा-
अब तो भागना ही पड़ेगा!
पीछा करो! और फाड़ डालो इसको! छोड़ना मत इसको कमीनो! वर्ना मैं तुमको नहीं छोडूंगा!
जिन्दगी और मौत की इस दौड़ में किसी का भी ध्यान उस गड्ढे की तरफ नहीं गया था-

जो उस विशाल पेड़ के जड़ समेत उखड़ने से बन गया था-
छः सात फीट गहरे गड्ढे के तल में पत्थरों द्वारा बनास्क निर्माण साफ नजर आ रहा था-
अब पेड़ के बाद, पत्थरों के हिलने की बारी थी-
क्योंकि यह घड़ी किसी के आजाद होने की घड़ी थी-
आऽऽऽह! न जाने कितने युगों तक कैद रहा हूं मैं! धोखे से छल से कैद किया गया था मुझे! लेकिन अब मैं समय नहीं गंवाऊंगा!
उसको दूसरा मौका नहीं दूंगा! जिसने मुझको कैद किया था! उसको अधम के स्वतंत्र होने की सूचना मिलने से पहले ही नष्ट कर दूंगा!
कहां है तू सधम? कहां है?
अधम के स्वतंत्र होने का आभास-
पहले ही वहां से हजारों किलोमीटर दूर महानगर में जा पहुंचा था-
ओह! इतनी सदियों बाद आखिर वह समय आ ही गया, जिसकी मुझे प्रतीक्षा थी! इतने समय तक मैं मानवों के बीच में वेष बदल- बदल कर सिर्फ इसलिए रहता रहा क्योंकि मुझे अधम के जमीन में दबने का सही स्थान नहीं पता था! वर्ना मैं उसको बहुत पहले समाप्त कर देता! खैर, तब नहीं तो अब सही!
से से! हट जा भाई! ब्रेक फेल हो गए हैं! अपुन की गाड़ी के!

ओह! इतने युगों बाद अधम का आभास मिलने से मैं असावधान हो गया था! अब भी अगर मैंने अपने आपको छुपाने की कोशिश की तो ये वृद्धा मारी जाएगी! इसको बचाने का एक ही रास्ता है!...
...कि मैं अपनी शक्तियों का प्रयोग करूं!
ओ माई गॉड! एमेजिंग! ये... ये आदमी तो उड़ रहा है!
आप यहां से लिफ्ट द्वारा नीचे चली जाइएगा, मां जी!
मुझे सदियों पुराना हिसाब चुकता करने के लिए तुरंत जाना होगा!
हैं!
तू मुझे सड़क पार करा रहा था या दुनिया पार करा रहा है!
असम के जंगलों में-
सधम आ रहा है! इस बार न जाने वह कौन सी चाल चलेगा! मुझे उसको वहीं पर रोकना होगा!
धौंकनी!
हाsss ह!
तू मेरे बुलाने पर आने में पल भर की भी देर नहीं करता, धौंकनी!...
...जा, खत्म कर दे, सधम को, और अंत कर दे हमारे युगों पुराने युद्ध का!
जा!

तब तक मैं इन दोनों दिग्गजों का युद्ध देखता हूं, जिनके कारण मैं आजाद हो पाया हूं!
महानगर में-
अब मुझे इस रूप की कोई आवश्यकता नहीं है! मुझे अपने असली रूप में आ जाना चाहिए!...
...ताकि अधम मुझे देख भी सके और पहचान भी सके!
लेकिन इससे पहले कि अधम महानगर की सीमा पार कर पाता-
तू कहीं नहीं जाएगा, अधम!
धौंकनी! मुझे तेरे आने की कतई उम्मीद नहीं थी! पर तेरे यहां पर आने से यह पक्का जरूर हो गया है...
...कि अधम सचमुच जाग उठा है!
तेरी समाधि इसी स्थान, इसी युग और इसी काल में बनेगी! और अभी बनेगी!

असम के जंगलों में एक दूसरा खूनी युद्ध चल रहा था-
ओफ्! अब कैसे पीछा छुड़ाऊं इन शैतानों से? अब तो इनके और मेरे बीच का फासला भी कम होता जा रहा है!
ये खाई! लेकिन ये तो बहुत चौड़ी है! इसको तो कूदकर पार किया ही नहीं जा सकता!...
... नहीं! मुझे ये खाई पार करनी ही होगी! करनी ही होगी!... अपनी दौड़ने की गति को और तेज करना होगा! और तेज...
...और तेज...
...और तेज!
हवा में लहरा गया भेड़िया का शरीर-
और उसके पीछे-पीछे भेड़ियों की फौज भी खाई के ऊपर तैर गई-
भेड़िए के हाथ तो खाई के दूसरे किनारे पर जम गए-

लेकिन भेड़िए इतने खुशकिस्मत नहीं थे-
गहरी खाई में भेड़ियों के शरीर गिरते चले गए-
मेरे भेड़िए! मेरे सेवक! तेरी वजह से मरे हैं मेरे भेड़िए! तुझे मैं अब नहीं छोडूंगा! नहीं छोडूंगा!
तू दुश्मन है मेरा! तूने जेन को मुझसे दूर कर दिया। फूजो को मुझसे छीन लिया! जंगल के जानवर तक मेरे खिलाफ कर दिए तूने! और अब तू मेरे भेड़ियों को मारकर मेरी शक्ति को खत्म करना चाहता है!
ऐसा नहीं होने दूंगा मैं!
भेड़िया देव मदद!
पहले गदा, कोबी के हाथ में चमकी-
और फिर भेड़िया की आंखों के आगे तारे चमक उठे-

मैं तेरे हाथों से गदा पहले भी गिरवा चुका हूं कोबी, और आज भी गिरवा दूंगा!
पहले तू मेरे मर्म स्थलों पर प्रहार करके मेरी भुजाओं को बेजान कर देता था! पर इस बार ऐसा नहीं होगा!
मैंने बालों से अपने मर्म स्थलों को ढक लिया है! अब तेरा प्रहार मेरी नसों को दबा नहीं पाएगा!
लेकिन मैं तुझे जमीन में दबाकर ही जाऊंगा!
वाह! शैतानी शक्ति के आगे अच्छी शक्तियां टिक नहीं पा रही हैं! देखता हूं कि क्या अंजाम होता है इस युद्ध का!
महानगर में हो रहे युद्ध का अंजाम भी जल्दी ही सामने आ जाने वाला था—
आsss ह! इसमें इतनी अक्ल कहां से आ गई? अब कैसे बचाऊं अपनी जान?
आsss ह! इतने युगों तक निष्क्रिय रहने के कारण मैं अपनी शक्तियों को ठीक तरह से नियंत्रित नहीं कर पा रहा हूं!

लेकिन फिर भी धौंकनी जैसे मामूली प्राणी मेरे सामने ठहर नहीं सकते!
सधम की शक्ति किरणें,
हवा में मौजूद अणुओं में इलेक्ट्रानों को घटाने और बढ़ाने लगी, और सुरभित वायु स्फोटक घातक हो उठी-
आऽऽऽह! तूने वायु की संरचना को बदल-कर उसको विस्फोटक बना दिया है!
जितना वह युगों पहले... आऽऽऽह! यह क्या?
मेरी गले की 'मशक' हवा का बवंडर पैदा करके तेरे विस्फोटकों को तेरी ही तरफ धकेल रही है!
अब तेरे चिथड़े उड़ जाएंगे धौंकनी, और तेरे मालिक को यह संदेश मिल जाएगा कि सधम अभी भी उतना ही शक्तिशाली है!
इसने मुझे घायल कर दिया है! इससे इतनी चालाकी की उम्मीद मैंने नहीं की थी!

आऽऽऽह! धमाके ने मेरे शरीर को सुलगा दिया है! लेकिन मैं अभी हवा को पानी बनाकर इस आग को बुझा दूंगा!
नहीं! नहीं होगा ऐसा! तू शायद धौंकनी की असली शक्ति को भूल गया है! धौंकनी जब चलती है तो आग को भी इतना गर्म कर देती है कि वह लोहे तक को पिघला दे!
फिर तेरे युगों पुराने शरीर की क्या बिसात है!
आऽऽऽह! मेरी ही आग मेरा काल बनती जा रही है...
... ये जलन! ये पीड़ा! मैं वायु को जल में बदलने वाला मंत्र तक नहीं सोच पा रहा हूं!
तुझे मारना इतना आसान होगा इसकी तो मैंने कल्पना तक नहीं की थी, सधम!
मैंने! यानी...
यहां पर कोई नहीं मरेगा!
यह क्या? किसी प्रकार की मंद विषैली वायु ने सधम के शरीर पर आवरण चढ़ा दिया है और उसका संपर्क वायुमंडल से कट गया है!
बिना वायु के अग्नि जल नहीं सकती! किसने छोड़ी है यह विषैली फुंकार?

... नागराज ने!

नागराज! नाम ही काफी है तेरा काम बताने के लिए! तेरे अंदर नागशक्तियां होनी चाहिए! पर यह तो बता कि तू मेरे ही हाथों से क्यों मरना चाहता है?

इस समस्या का हल मैं कर देता हूं! मैं तुमको अपनी उड़ने की शक्ति दे देता हूं! जब तक मुझे इस शक्ति की आवश्यकता न पड़े तब तक यह तुम्हारे पास ही रहेगी! पर तुम घबराना मत! मैं कुछ ही पलों में स्वस्थ हो जाऊंगा! तुमको अधिक देर तक धौंकनी से नहीं जूझना पड़ेगा!

कहानी 19 पेज में जारी

अब मुझे तुमसे निपटने में आसानी होगी, धौंकनी!
अगर उड़ने से तू अपने आपको पहले से जीता हुआ समझ रहा है तो ले, मैं तुझको ऊपर नर्क तक उड़ा देता हूं!
पहले मेरे 'सर्प बंधनों' से आजाद तो हो ले!
...जो सांपों को खा जाता है!
और यह भी जान ले कि अगर तू जहरीला है तो मैं भी कम जहरीला नहीं हूं! मेरे शरीर के इन चकत्तों में जहर ही जहर भरा हुआ है!
जिसको जब मैं अपनी धौंकनी द्वारा बाहर फेंकता हूं तो दुश्मन तड़प-तड़प कर मरता है! जैसे अब तू मरेगा!
खच
मेरा रूप जरूर मेंढक सा है! लेकिन मैं वह मेंढक नहीं जिसे सांप खा जाए!
मैं वह मेंढक हूं...
तेरा जहर तो मैंने चख लिया धौंकनी!
फ़्ररररप
अब मेरा जहर भी सूंघकर देख!
तुझ पर तो मेरे विष का जरा सा भी असर नहीं...
...आऽऽऽह! आऽऽऽह!
यह कैसा विष है? ऐसा विष तो मैंने इतने युगों में कभी नहीं देखा!

महानगर में चल रहे इस युद्ध का आभास असम के जंगलों में मौजूद अधम को भी हो रहा था-
ओह! कोई नागशक्ति युक्त पुण्यात्मा, धौंकनी से टकरा रहा है... मुकाबला तो जोरदार हो रहा है। लेकिन फिर भी जीतेगा धौंकनी! और फिर वह सधम को नष्ट कर देगा!
अभी तो मुझको यहां का युद्ध देखकर मजा आ रहा है!
दैवीय गदा के कांटों ने भेड़िया के शरीर को छलनी कर दिया था-
ओफ! इसके हाथों से गदा गिरानी होगी! लेकिन मुझमें इतनी शक्ति बची नहीं है! क्या करूं?... ओह! यह तो युकिलिप्टस का पेड़ है, जिसकी पत्तियों में तेल भरा होता है! शायद इससे काम बन जाए!
भेड़िया के शक्तिशाली हाथों ने पत्तियों को निचोड़कर उनमें मौजूद तेल को निकाल लिया-
और इस बार जब कोबी की गदा घूमी-
तो भेड़िया ने गदा को तेल से नहला दिया-
ये... ये क्या कर रहा है तू? मेरी गदा को बदबूदार बना दिया तूने!
अब तो तेरे खून से ही इस तेल को धोऊंगा!

ले! ले ssss
चिकनी गदा पर कोबी पकड़ बनाए नहीं रख सका-
और गदा उसके हाथ से छूटकर-
मिसाइल की तरह हवा में उड़ती हुई-
फिर से कोबी के हाथों में टिकने के लिए लौट आई-
पर कोबी के हाथों में टिक नहीं पाई-
आssss ईsss
हा हा हा! पुण्यात्मा भेड़िया बुद्धि का प्रयोग कर रहा है! और मूर्खात्मा कोबी उससे मात खा रहा है! लेकिन... य... यह क्या?
उधर धौंकनी पर नागशक्तियां भारी पड़ रही हैं! मुझे महानगर के युद्ध पर पूरा ध्यान देना चाहिए!

महानगर में-
अब तेरी फुंकार मेरे पास नहीं फटक सकती, नागमानव! मैं उसको अपने तक पहुंचने से पहले ही वायु फुहार से फैला दूंगा!
विष फुंकार जरूर तुझ तक नहीं पहुंच सकती, पर ध्वंसक सर्प तो पहुंच सकते हैं! और तेरी धौंकनी को फाड़कर तेरी मुख्य शक्ति को खत्म कर सकते हैं!
मेरी धौंकनी की खाल बाहर से इतनी सख्त है कि उसको कुछ भी नहीं फाड़ सकता!
अब तू देख धौंकनी का कमाल! धौंकनी का बवंडर अब तुझको इतनी तेज गति से घुमास्गा कि तेरे दिमाग की सारी नसें तड़तड़ाकर फट जास्गी!
आऽऽऽह! इतनी तेज गति के बवंडर में तो मैं सचमुच पहले कभी नहीं घूमा!

सारे शरीर का खून, नसों को फाड़कर बाहर निकलने के लिए बेताब हो रहा है! और मैं इस पर कोई वार नहीं कर सकता! क्योंकि जो कुछ भी मैं इस पर फेंकूंगा, वह बवंडर में ही खिंचकर रह जाएगा! और धौंकनी मुझसे इतनी दूर है कि मैं खुद उस तक पहुंच ही नहीं सकता! बचने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है!

सिवाय खुद नागराज के-

हां! एक तरीका है! मैं अभी भी धौंकनी को मात दे सकता हूं! धौंकनी एक गलती यह कर गया है कि चाहे दूर से ही सही, पर वह मेरे साथ बवंडर के द्वारा जुड़ा हुआ है!

नागराज विष फुंकार उगलने लगा, और फुंकार बवंडर में घुलने लगी-

और देखते ही देखते बवंडर की गति के साथ घूमते हुए धौंकनी के फेफड़ों तक भी जा पहुंची-

आsss! मेरी सारी छाती, मेरा पेट, सब कुछ जल रहा है। म... मैं बेहोश हो रहा हूं! लेकिन मेरी हार, तेरी जीत नहीं बन सकती! म... मैं मरूंगा तो तुझे साथ लेकर मरूंगा!
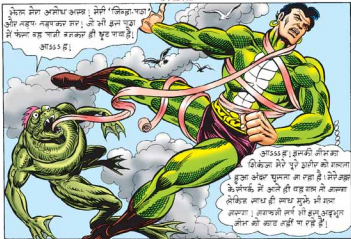
झेल मेरा अमोघ अस्त्र! मेरी 'जिव्हा-पाश' और तड़प-तड़पकर मर! जो भी इस पाश में फंसा वह पानी बनकर ही छूट पाया है!
आऽऽऽह!
आऽऽऽह! इसकी जीभ का शिकंजा मेरे पूरे शरीर को गलाता हुआ अंदर घुसता जा रहा है। मेरे जहर के संपर्क में आते ही यह गल तो जाएगा लेकिन साथ ही साथ मुझे भी गला जाएगा! नागफनी सर्प भी इस अद्भुत जीभ को काट नहीं पा रहे हैं!
नागराज को ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ी! क्योंकि-
अरे! इसके तो चिथड़े उड़ गए! और इसके मरते ही इसका शिकंजा भी खुल गया है! पर ये वार किया किसने?
मैंने! मेरी शक्तियां अब वापस आ चुकी हैं! मैं मदद के लिए तुम्हारा धन्यवाद करता हूं!
असम में अधम को इस घटना का तुरन्त आभास हो गया-
चौंकनी मारा गया! हांलाकि उसको सधम ने मारा है, लेकिन वह ऐसा नागमानव के कारण ही कर पाया है! उसको एक पुण्यात्मा मिल गया है! उसके जैसे और भी हो सकते हैं! मुझे सधम से टक्कर लेने से पहले योजना बनानी पड़ेगी!

यह भेड़िया पुण्यात्मा है! और कोबी उससे लड़कर उसे मारना चाहता है! वह भेड़िया की शक्ति जानता है। बस, मुझे ऐसे कुछ और प्राणी ढूंढ़ने होंगे जो भेड़िया से दुश्मनी रखते हों, और उसकी शक्तियां जानते हों! फिर वे सब कोबी के साथ मिलकर भेड़िया को मार देंगे! हां, यही करता हूं मैं! अगर यह प्रयोग सफल हो गया तो फिर मैं उन सभी शक्तिशाली पुण्यात्माओं की जानें ले लूंगा! जिससे मैं सधम को कमजोर और अपने आपको शक्तिशाली बना सकूं! फिर मुकाबला होगा अधम और सधम का!

अभी ढूंढ़ता हूं ऐसे खलनायकों को! भेड़िया के दुश्मन अवश्य ही भेड़िया के आसपास ही होंगे... हां, मिल गए! मिल गए मुझे ऐसे प्राणी!

ओह! अब तो यह गदा मेरी पकड़ से फिसलती जा रही है!

तनतन्ना और सलफांटो!
पेड़ पर आराम कर रहा तनतन्ना एकाएक चौंक उठा-
कौन हो तुम? तुमको पहले तो इस जंगल में कभी नहीं देखा!
काम की बात सुनो! अगर भेड़िया को मारना चाहते हो तो तुरन्त मेरे साथ चलो!
भेड़िया शेर है कोई मेमना नहीं कि चलूं और उसको मार दूं!
यह अपने अकेले के बस की बात नहीं है!
तुम अकेले नहीं हो! कोबी पहले ही भेड़िया से लड़ रहा है, और...
...सलफांटो भी इस काम में तुम्हारी मदद करेगा!
सलफांटो! तब तो बात बन जाएगी! चलो, बताओ, कहां पर है भेड़िया?
और कुछ ही पलों के बाद-
तनतन्ना! सलफांटो! तुम दोनों कहां से आ गए?
किसी ने बुलाया, और हम तेरी तेरहवीं मनाने आ गए!
तुमसे मैं तब टकराया था, जब तुम और कोबी एक थे! इस बार तो तू आधा ही गया है! फिर मेरे सामने भला क्या टिकेगा!
भेड़िया घिर चुका था-

और उसको बचा सकने वाला एकमात्र शख्स, वहां से दूर बातचीत में व्यस्त था-
यह सब क्या हो रहा है? कौन था धौंकनी और कौन हो तुम? इतनी अद्भुत शक्तियां रखते हो कि अपनी शक्ति किसी और को भी दे सको! ये अद्भुत शक्तियां तुमको कहां से मिलीं?
महाऋषियों ने दी हैं! और एक खास काम के लिए दी हैं। किसी को नष्ट करने के लिए दी हैं!
उसी को नष्ट करने के लिए जिसने मुझको नष्ट करने के लिए धौंकनी को भेजा था!

महापाप शक्ति अधम ने! युगों बाद फिर से शुरू हुआ है हमारा युद्ध!
युगों बाद! म... मैं कुछ समझा नहीं!
यह रहस्य जानने वाले इस युग के तुम पहले मानव होगे! महाभारत के युद्ध के बाद कुछ ऋषियों ने उस महाविनाशकारी युद्ध का कारण जानने की कोशिश की।
कि आखिर वह कौन सी शक्ति थी जिसने कौरवों को अपने ही भाइयों के प्रति विश्वासघात करने को मजबूर कर दिया!

युधिष्ठिर जैसे धर्मात्मा को जुआ खेलने और द्रौपदी को दांव पर लगाने के लिए प्रेरित किया! भीष्म जैसे प्रतापी को भी युद्ध रोकने नहीं दिया! बहुत सारे प्रश्न थे! परन्तु उत्तर उस यज्ञ के पश्चात मिला जो महाऋषियों ने किया था!
इस युद्ध का कारण था पाप का बीज अदृश्य शक्ति अधम! पहले तो महाऋषियों ने अधम को शरीर धारण करने पर मजबूर किया, और फिर यज्ञ कुंड में से पुण्य शक्ति के धारक सधम को यानी मुझको पैदा किया! ताकि मेरी पुण्यशक्ति अधम को नष्ट करके पाप को हमेशा के लिए मिटा दे!

अधम अपनी मृत्यु का आभास होते ही भागने लगा! लेकिन मैंने उसका पीछा नहीं छोड़ा! और फिर कई वर्षों के बाद उसको उस स्थान पर जा दबोचा, जिसको वर्तमान युग में असम का जंगल कहते हैं!
हमारे बीच में भयंकर युद्ध चला! अधम कमजोर पड़ने लगा! उसकी एक ही कमजोरी थी धरती! धरती हर तरह के पाप को ढक लेती है! उसको जमीन के नीचे दबाकर कम से कम उसकी पाप शक्ति को खत्म किया जा सकता था!

मैंने वही किया! अधम का ध्यान बंटाकर उसको एक पहले से बनाए गए गहरे गड्ढे में गिरा दिया! परन्तु इससे पहले कि मैं गड्ढे में मिट्टी भरकर उसको मारने का प्रयत्न करता अचानक एक भीषण भूकंप आया! बहुत देर तक जमीन कंपकंपाती रही! बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए! कहीं पर जमीन दबती चली गई और कहीं पर बड़े-बड़े टीले नजर आए! आसपास के पत्थर के बने मकान जमीन में दब गए! और जब भूकंप रुका तो चारों तरफ का नक्शा ही बदल गया था! यह जान पाना असंभव था कि अधम किस स्थान पर दबा था! लेकिन बगैर उसको मारे मेरा काम समाप्त भी नहीं होना था! मैंने अधम के मिलने तक पृथ्वी पर ही रहने का निश्चय किया!

मेरी उम्र नहीं बदती! इस कारण लोगों को मुझ पर शक हो सकता था! इसलिए मैं रूप और स्थान बदल-बदलकर युगों तक पृथ्वी पर रहता रहा! अधम का पता लगाकर उसको मारना मेरा एकमात्र लक्ष्य था! अब वह लक्ष्य मुझे मिल गया है! अधम आजाद हो गया था! धौंकनी को उसी ने मुझको मारने के लिए भेजा था!

अब इससे पहले कि अधम फिर से कहीं जाकर छिप जाए मुझे उस तक पहुंचकर उसको मारना होगा! वर्ना इस बार पृथ्वी पर महाभारत से कई गुना ज्यादा भयंकर युद्ध लड़ा जाएगा... और इसके लिए मुझको तुम्हारी मदद की फिर जरूरत पड़ सकती है!

पाप को मिटाने के लिए नागराज खुद भी मिटने के लिए तैयार है! चलो!

असम के जंगलों में-
हैं तो ये मेरे भी दुश्मन! लेकिन एक बार इनकी मदद से मैं भेड़िया को इतना पीट लूं कि ये मेरे नाम से भी थरथर कांपने लगे! फिर इनको भी ठिकाने लगाऊंगा!
तू हमसे अब नहीं जीत सकता भेड़िया! कोबी से लड़कर तू वैसे भी थक चुका है! अब बस तेरी जान निकलनी बाकी है!
भेड़िया तुम तीनों पर एक साथ भारी पड़ेगा गीदड़ों! आज भेड़िया सारी दया भूल जाएगा!
जेन को भेड़िया की फिक्र हो रही थी-
फूजो बाबा, जल्दी चलो! कोबी और भेड़िया फिर लड़ पड़े हैं!
घबराती क्यों हो? वो तो पहले भी कई बार लड़ चुके हैं!
इस बार बात कुछ और है बाबा! इस बार तो उन दोनों ने मौत से फैसला करने की ठान ली है!
ओह! चलो मैं चलता हूं!
भेड़िया सचमुच तीनों पर भारी पड़ रहा था-
आऽऽऽह! तूने मुझे गदा के कांटों पर गिराया। पर कोई बात नहीं! मेरे रबर के शरीर के छेद तुरन्त भर जाते हैं!
छेद भरें या नहीं! इस दर्द से तू अपना शिकंजा खोलने पर जरूर मजबूर हो गया है!

अब मैं तुझे बताऊंगा कि रबर के बदन से क्या-क्या किया जा सकता है!
रबर से बच्चे और बड़े पेंसिल की लाइनें मिटाते हैं!
स्सै!
आऽऽऽऽऽस्ऽऽऽ
रबर के गद्दों पर कुश्ती लड़ी जाती है! ताकि चोट न लगे!
स्सै!
मार डाला रे!
लेकिन मुझे रबर-बैंड में गांठे लगाने की आदत है! स्सै!
स्सै!
और स्सै!
ओह! तूने तो मेरे बदन को धोबी की गठरी बना दिया!
हाय!

तनतन्ना को हराने से तू जीत नहीं गया भेड़िया! स्लफांटो अभी हारा नहीं है!...
... कुचलकर तोड़ डालूंगा मैं तेरा सिर!
सर तो मैं तेरा तोड़ूंगा, स्लफांटो!
आsssह!
तू कुछ करता क्यों नहीं कोबी! हम ही अकेले पिटे जा रहे हैं!
मैं गदा से लड़ता हूं! और भेड़िया ने गदा को इतना चिकना बना दिया है कि मैं इसे उठा ही नहीं पा रहा हूं!
ये तीनों मिलकर भी भेड़िया से जीत नहीं पाएंगे! इनकी पिलपिली खोपड़ियों में अपनी योजना भरनी पड़ेगी!
और फिर-
आहा! एक योजना है मेरे पास! भेड़िया को सिर्फ गदा से मारा जा सकता है!
पर गदा तो तुम उठा नहीं पा रहे हो!
उठाने की जरूरत है भी नहीं! तुम सिर्फ भेड़िया का ध्यान बंटाओ!
बाकी मुझ पर छोड़ दो!

एल्फांटो, भेड़िया से भिड़ गया-
पता नहीं, कोबी मूर्ख ने ऐसा कौन सा तरीका सोचा है जिसमें वार करेगा वो और मार खाऊंगा मैं!
यह था अधम द्वारा कोबी के दिमाग में भरा गया आइडिया-
आईsss आईsss और मत खींच कोबी वर्ना मैं टूट जाऊंगा!
खींचूंगा नहीं तो गदा को तीर की तरह छोड़ने की शक्ति कहां से आएगी!
मैं गदा को हत्थे से नही उठा सकता, पर गोले की तरफ से तो उठा ही सकता हूं!
और उसको गुलेल में फंसे पत्थर की तरफ छोड़ भी सकता हूं!
निशाना सच्चा था! भेड़िया का शरीर यह वार नहीं सह पाया-
वाह! बेहोश हो गया है भेड़िया! अब यह मेरी शक्ति का प्रतिरोध कर ही नहीं सकता! इसकी जान निकालने का यह सुनहरा अवसर है!
अधम की रहस्यमय शक्तियां, भेड़िया के प्राण खींचती चली गईं-

कहानी 35 पेज से जारी

भेड़िया तो मर गया! न तो इसकी दिल की धड़कन चल रही है और न ही शरीर में कोई हरकत है!
यानी हमारा काम हो गया! हमारे रास्ते का सबसे बड़ा पत्थर चकनाचूर हो गया!
ओह, भेड़िया! यह क्या हो गया? मेरी पाशविक हरकतों ने आखिर तेरी जान ले ही ली!
भेड़िया मर गया! ये...ये कैसे हो गया! मैं तो सिर्फ इसको सबक सिखाना चाहता था! वैसे भी भेड़िया इतने मामूली वारों से मरने वाला इंसान नहीं था!
कोई आ रहा है! भागो!
भेड़िया! भेड़िया!
चलो यहां से! अभी मुझको तुम्हारी जरूरत है!
मेरा यह प्रयोग सफल रहा! अब मैं अन्य शक्तिशाली पुण्यात्माओं को ढूंढकर उनको उनके ही दुश्मनों के हाथों मरवाकर अपनी शक्ति बढ़ाऊंगा और सधम की शक्ति खत्म करूंगा!
और ऐसी पुण्यात्माओं और उनके दुश्मनों का मुझे पता बताएगा यह प्राणी कोबी!
तुम कौन हो? मुझे कहां ले जा रहे हो?
बताऊंगा! सब बताऊंगा! लेकिन पहले हम किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं, तब!

उधर- जेन और फूजो बाबा पर पहाड़ टूट पड़ा था-
भेड़िया! ये तुमको क्या हो गया, भेड़िया? उठो भेड़िया उठो! मुझसे बोलो! अपनी जेन से बात करो!
ओह! ये क्या हो गया, भेड़िया!
तुम्हारी और कोबी की दुश्मनी का यह नतीजा निकलेगा, यह तो मैंने सोचा भी नहीं था!
हमको पहुंचने में देर हो गई है नागराज! अधम यहां से अपना काम करके जा चुका है!
और साथ ही साथ वह भेड़िया की जान भी लेता गया है!
भेड़िया को मारने वाला अधम का दुश्मन! अधम को खत्म करने आया है मधम!
लेकिन भेड़िया को तो कोबी ने मारा है! उसके अपने ही दूसरे रूप ने!
नहीं बाबा! मारने वाले हाथ चाहे जिसके रहे हों...
...उन हाथों को चलाने वाली शक्ति अधम की थी!
मैं यहां चप्पे-चप्पे पर उसकी छाप को महसूस कर रहा हूं!
तुम तो नागराज हो! तुम यहां पर क्या कर रहे हो? और तुम्हारे साथ ये कौन है?
उसको भी मेरे आने का आभास हो गया होगा, इसीलिए वह भाग खड़ा हुआ! और अब वह सतर्क हो गया है! इसलिए मैं उसकी स्थिति का पता नहीं लगा पा रहा हूं! ... आखिर कहां गया होगा वह?
जहां भी होगा, कोबी के साथ होगा! क्योंकि कोबी भी यहां से गायब है!

वह जरूर कोबी से कुछ जानना चाहता है! खैर, फिलहाल मुझको उसका पता नहीं चल रहा है लेकिन जैसे ही वह कुछ भी करेगा, मुझे उसकी स्थिति का पता चल जाएगा!

मुझे वापस महानगर जाना होगा! लेकिन आपके पास मैं अपना एक सर्प छोड़ जाऊंगा, जो यहां से मेरा संपर्क बनाए रखेगा! ताकि अगर अधम यहां पर वापस आए तो मुझे उसका पता चल जाए!

मैं भी चलूंगा!

कोबी अधम की योजना को पूरा करने का माध्यम बना हुआ था-

तुम झूठ नहीं बोल सकते, क्योंकि तुम अधम की इच्छा-शक्ति के आधीन हो! बताओ भेड़िया जैसी और कौन सी ऐसी शक्तिशाली पुण्यात्माएं हैं, जिनको मैं मारकर अधम को मारने का रास्ता साफ कर सकता हूं!

ज्यादा नहीं जानता! सिर्फ एक-दो बार ऐसे शक्तिशाली मानवों से मिला हूं मैं! सुपर कमांडो ध्रुव, डोगा, नागराज, परमाणु... और... और नाम याद नहीं आ रहे हैं!

लेकिन इनके दुश्मनों को मैं नहीं जानता! सिर्फ इतना जानता हूं कि इनके सारे दुश्मन बहुत खतरनाक हैं...

...और खतरनाक अपराधियों को नारका नाम की एक जेल में रखा जाता है जो राजनगर नाम के एक नगर के पास समुद्र के बीच में बने द्वीप पर है!

बस! दो-तीन पुण्यात्माओं को मारकर ही मेरा काम हो जाएगा और नारका जेल जैसे स्थान को तो मैं ढूंढ ही लूंगा!

इस युग से मैं अंजान हूं! लेकिन मानवों के मस्तिष्क से जानकारी लेकर मुझे इस युग की हर बात का पता चल जाएगा! राजनगर नामक नगर का भी और मारका जेल जैसे स्थान का भी!

इसी वक्त- महानगर के पास एक अत्यन्त गुप्त स्थान पर-
नागपाशा! नागपाशा!
क्या हुआ गुरुदेव? आप ठीक तो हैं न?
देख मेरे यंत्रों को! मेरे यंत्र एक भीषण ऊर्जा के स्रोत का संकेत दे रहे हैं!
इतनी ऊर्जा एक स्थान पर सूर्य के अलावा मैंने और कहीं नहीं देखी!

हां! और अब तू भी ठीक हो जाएगा! क्योंकि तुझको जो 'नागराज' नाम का रोग लग गया है, उसका इलाज मुझे मिल गया है!
इस ऊर्जा के धारक को अगर तू वश में कर ले तो इसकी मदद से नागराज को खत्म कर सकता है!
परन्तु... परन्तु मैं ऐसे भीषण शक्ति वाले प्राणी को वश में करूंगा कैसे?
तेरे पास तांत्रिक शक्तियां हैं! मैं तुझे यांत्रिक शक्तियां भी दे सकता हूं! और फिर तू अमर है!... महाशक्तिशाली है तू नागपाशा!
महाशक्तिशाली हूं तो नागराज को मार क्यों नहीं पाता?
जब शक्ति और अस्त्र मिलकर वार करते हैं तभी वार घातक बनता है! हाथ और तलवार अलग-अलग होकर किसी की गर्दन नहीं काट सकते! तू शक्ति है और ये प्राणी अस्त्र है! इसको वश में कर और इससे जाकर नागराज को मार!
क्या खूब समझाया है गुरुदेव! बताओ कहां पर है यह प्राणी? मैं अभी जाकर उसको वश में करता हूं!

अधम को नारका जेल ढूंढ़ने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-
यही है नारका जेल! यह तो कारागृह है। शायद इस युग में कारागृह को जेल कहा जाता है! कोबी के दिमाग में मैंने ध्रुव, परमाणु एवं डोगा की आकृतियां देख ली हैं! ये आकृतियां जिन अपराधियों के दिमाग में होंगी वे ही इन शक्तिशाली पुण्यात्माओं के दुश्मन होंगे!
अभी उन अपराधियों की खोज आरंभ करता हूं...
वहीं पर रुक जा प्राणी! और मेरी गुलामी कुबूल कर! ...
... वर्ना नागपाश तुझको तड़प-तड़प कर मारेगा!
ओह! यह मुसीबत कहां से आ गई?
यह अधम का गुलाम तो लगता नहीं है! फिर इसको मेरे बारे में कैसे पता चला?
कोई भी हो, फिलहाल मैं इससे लड़ना नहीं चाहता! लड़ने में मुझे अपनी ऊर्जा खर्च नहीं करनी पड़ेगी और उससे अधम को मेरी स्थिति का पता लग जाएगा!
रुक जाओ! मैं तुमसे युद्ध नहीं चाहता!
हा हा हा! गुरुदेव का ख्याल सही था! यह मुझसे डर रहा है! यही वक्त है इसको पीट कर अपना गुलाम बनाने का!

Amaan
मैं तुझसे यह जानना नहीं चाहता कि तू मुझसे लड़ेगा या नहीं! मैं तुझसे यह जानना चाहता हूं कि तू मेरा गुलाम बनेगा या नहीं!
ये मेरा बहुमूल्य समय व्यर्थ कर रहा है! इसको नष्ट करना ही पड़ेगा! मैं ऐसा चाहता तो नहीं, लेकिन इसने मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया है!
ये जुदा हो गया इसका सर इसके धड़ से!
हा हा हा! तूने तो मेरा काम आसान कर दिया! अब मैं तुझे देखूंगा इधर से और मारूंगा उधर से!
आश्चर्य! कैसा मानव है रे तू? सिर कटने पर भी नहीं मरा!
हा हा हा! डर गया न? अरे, नागपाशा ने अमृत चखा हुआ है! अमर है नागपाशा! अब तो बनेगा न मेरा गुलाम? बोल!
जिसके पास खुद अनगिनत गुलाम हों, वह किसी और का गुलाम भला कैसे बन सकता है!
ओह! शक्तियां छोड़ता है तू? लेकिन ये मुझे नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगी!

राहु और केतु ने भी अमृत चखा था, नागपाशा! वे आज भी जिन्दा हैं! लेकिन किस रूप में? अलग-अलग सिर और धड़ के रूप में! एक सूर्य को ग्रहण लगाता है, और दूसरा चांद को! ...
... तेरा भी यही हाल होगा!
गुरुदेव!
नागपाशा को इस मुसीबत से बचने के लिए मेरी यांत्रिक शक्ति की जरूरत है! अभी उसके पास अपनी यांत्रिक शक्ति-तरंगों के द्वारा भेजता हूं!
अगले ही पल-
आश्चर्य! इसके शरीर पर तो आरियां उभर आई हैं!
गोल घूमती आरियों ने मेरे प्राणियों को काट डाला है! और अब वे गायब भी हो रही हैं!
यह प्राणी अद्भुत है! मुझे इसके मस्तिष्क में झांककर यह देखना होगा कि यह कौन है और क्या योजना है इसकी?
नागपाशा के दिमाग में झांकते ही-
हा हा हा हा! हा हा!
हंस क्यों रहे हो? डर के मारे न! बताओ! बताओ!
नहीं! दरअसल हम बेकार झगड़ रहे हैं! तुम मेरे जरिए नागराज को मारना चाहते हो और मैं खुद नागराज को मार सकने वाले उसके दुश्मनों को ढूंढ़ रहा था!
सुनो कि मैं कौन हूं और इस कारागृह के पास क्या कर रहा हूं!
कहीं और चलकर बात करें! वर्ना जेल के पहरेदार हमें देख लेंगे।
अब तक वे हमको देख पाए हैं क्या? हम उनको नजर नहीं आ रहे हैं!
अब सुनो!

अधम ने अपनी शक्ति का प्रयोग करके सधम को अपना पता दे दिया था-
ओह! तुम अभी महानगर नहीं जा सकते नागराज! मुझे अधम की तरंगें फिर से मिल रही हैं! हमको उस तरफ जाना होगा!
उस तरफ तो राजनगर है!
नारका जेल के ऊपर-
तुमने मेरी बहुत मदद की है नागपाशा! अब मैं तुम्हारी मदद करूंगा! नागराज की मौत का नजारा दिखाऊंगा तुमको!
फिलहाल यहाँ से चलो!
यहाँ से कोई नहीं जाएगा!
न तुम अधम!
और न तुम, नागपाशा! बताओ क्या हो रहा था यहाँ पर? क्या षड्यंत्र रच रहे थे तुम दोनों मिलकर?
सधम!
नागराज!
तू खुद ही यहाँ पर मरने के लिए आ गया! मार डालो इसको अधम!
अभी सधम इसके साथ है! वह इसको मरने नहीं देगा!
पहले मुझे सधम को मारना होगा! तब तक तुमको नागराज से खुद ही निपटना होगा!

निपट लूंगा! खुद ही मारूंगा नागराज को! ताकि कोई कभी यह न कह सके कि नागपाशा, नागराज को अकेले मार नहीं सकता था!
ऐसी बातें बोलते रहने से यह पता नहीं चलेगा कि मैं कितना डर रहा हूं!
तुझे सिर्फ काटकर मारा जा सकता है नागराज! और यह काम करेगा मेरा तांत्रिक प्राणी अंधाधुंध! और इसको तू काट नहीं पाएगा क्योंकि इसका शरीर धुंध का बना है!
अधम भी अभी सधम से भिड़ना नहीं चाहता था-
अभी मेरी योजना पूरी नहीं हुई है! और अभी सधम मुझ पर भारी पड़ रहा है! और अगर जल्दी ही नागराज भी नागपाशा को हराकर इसके साथ मुझसे भिड़ पड़ा तो एक बार फिर मेरी हार निश्चित है! मुझे मदद चाहिए! पर मदद मिलेगी कहां से? अभी मेरे साथियों में सिर्फ नागपाशा ही इतना शक्तिशाली है कि मुझे मदद दे सके! ...
... और उसे खुद मदद की आवश्यकता है!
इस प्राणी अधम से भिड़ने वाला प्राणी भी उतना ही शक्तिशाली है! शायद अधम उससे जीत न पाए! लेकिन नागराज को मारने के लिए अधम का बच निकलना जरूरी है! थोड़ी देर तक देखता हूं! वर्ना फिर मैं अपने यांत्रिक ज्ञान का प्रयोग करूंगा!
नागराज और अंधाधुंध के बीच में एक खतरनाक युद्ध चल रहा था-
ओह! सर्प वार इसको बगैर कोई नुकसान पहुंचाए इसके आर-पार हुए जा रहे हैं! लेकिन इसकी तलवारों के वार मेरे नजदीक आते जा रहे हैं!

धुंध को मेरे सर्प वार छू नहीं सकते, लेकिन मेरी फुंकार इसके धुंध के शरीर को बादलों की तरह इधर-उधर छितरा सकती है!
लेकिन-
ओफ! यह वार तो उल्टा पड़ गया! मेरी फुंकार ने इसकी धुंध को दूर तक फैला दिया है! ये और विशालकाय हो गया है! यानी अब ये मुझ तक और आसानी से पहुंच सकता है!
आऽऽऽह! अब क्या करूं?
अंधाधुंध से तू बच नहीं सकता, नागराज! चाहे जितना जोर लगा ले!
अरे हां! एक रास्ता तो है! अगर यह धुंध के शरीर वाला प्राणी है!...
...तो ध्वंसक सर्प इस धुंध को भाप बनाकर उड़ा सकते हैं!
ध्वंसक सर्पों में इतनी गर्मी नहीं है कि वे इसके शरीर को भाप बना दें! इसके लिए तुम्हें एटम बम फोड़ना होगा नागराज!
अब हिलना-डुलना बंद कर और कम से कम शान्ति से मर तो ले!

ऊपर चल रहा युद्ध, अपनी बढ़ती तीव्रता के कारण अब नारका जेल के सुरक्षाकर्मियों की नजरों से छिप नहीं पा रहा था-
ओ मॉई गॉड! साफ नजर तो नहीं आ रहा है, लेकिन ऊपर कुछ बड़ी गड़बड़ चल रही है! राजनगर से एक्स्ट्रा फोर्स और हैलीकॉप्टर बुलाओ!
अधम और सधम के युद्ध का असर अब नागराज पर भी हो रहा था-
ओफ्! अगर मैं सधम के पैर से नाग रस्सी हटाता हूं तो गिर जाऊंगा! और अगर नहीं हटाऊंगा तो ये ऊर्जा के धमाके मुझे भून डालेंगे! अगर अंधाधुंध ने मुझे पहले ही नहीं मार डाला तो!
ओह! एक बहुत अच्छा ख्याल आया है! क्यों न मैं अपने दोनों दुश्मनों, अंधाधुंध और ऊर्जा- धमाकों को आपस में ही भिड़ा दूं!
नागराज की कलाई से निकलकर नागरस्सी दोनों तलवारों से जा लिपटी-
और अंधाधुंध के नागरस्सी काट पाने से पहले ही नागरस्सियों के दूसरे छोर 'ऊर्जा- धमाकों' में जा घुसे-
तारों में दौड़ती बिजली की तरह, नागरस्सी से होती हुई ऊर्जा अंधाधुंध के 'शरीर' में दौड़ गई-
और भीषण ऊर्जा ने अंधाधुंध को भाप बनाने के साथ-साथ उससे जुड़े नागपाश को भी हिला डाला-

अधम के लिए यह बहुत बुरी घटना थी-
ओफ़! नागपाश बेहोश हो गया है और नागराज खाली हो गया है! अब सधम और नागराज मिलकर मुझको परास्त कर देंगे! कोई नई चाल सोचनी होगी!
गुरुदेव ने एक पल के लिए भी पलकें नहीं झपकाई थीं-
नागराज जहां पहुंचे वहां गड़बड़ न हो, ये हो ही नहीं सकता है! फिलहाल अधम और नागपाश को भागने का मौका चाहिए!
और वह मौका उनको मैं दूंगा!
एक मददगार उनके पास भेजकर!
नारका जेल के ऊपर-
ओह! कुछ यान भी इधर ही आ रहे हैं! अब मैं क्या करूं?
तू कुछ नहीं कर सकता अधम! सिवाय मरने के! तैयार होजा नष्ट होने के लिए!
नष्ट करना मेरा काम है...
... यांत्रा का!

य... ये कौन है और कहां से आ टपका? खैर, ये सोचने में समय व्यर्थ नहीं करना चाहिए! इसने मुझको यहां से निकल-कर अपनी योजना पूरी करने का अवसर दिया है! आओ, नागपाशा!
म... मैं कहां हूं?
ये सवाल बाद में पूछते रहना...
...फिलहाल तो हमें उन तीन महाखलनायकों के साथ यहां से निकल चलना है, जिनको तुमने चुना है और मैंने आजाद कराया है! लेकिन उनकी प्रति-छायाएं अभी कारागृह में ही हैं ताकि किसी को शक न हो!
अब हमारा पहला पड़ाव होगा...
...दिल्ली!
गुरुदेव द्वारा भेजे गए प्राणी ने सधम और नागराज का रास्ता रोक रखा था-
इस यांत्रिक कबाड़ को मेरे ध्वंसक सर्प पलभर में तोड़ देंगे!
आऽऽऽह!
मेरे ध्वंसक सर्पों का वार पलटकर मुझको ही आ लगा! क्यों?
मेरी प्रतिकर्षण ऊर्जा के कारण! आकर्षण की विपरीत शक्ति होती है प्रतिकर्षण! इनके शरीर मैंने ऐसी ऊर्जा से आवेशित कर दिए हैं जो मेरे शरीर में भरी ऊर्जा से दूर भागती है!
अगर मुझ तक पहुंच पाएंगे तो, नागराज!
तुम दोनों जो भी वार करोगे, उनको मैं प्रतिकर्षण ऊर्जा की मदद से अपने पास नहीं पहुंचने दूंगा!
परन्तु मेरे वारों से तुम बच नहीं पाओगे!

Amaan
ओह! नागरस्सी टूट गई है! और नागराज नीचे गिर रहा है! मुझे नागराज को बचाना होगा!
सारी गड़बड़ की जड़ यही रोबॉट लगता है! शूट टू किल! खत्म कर दो इसको!
हा हा! यांत्रा को खत्म करोगे तुम! ठीक है! ...
... अगर मरने के बाद भूत बन गए तो एक बार फिर कोशिश कर लेना!
आऽऽऽह! हेलीकॉप्टर के पर, हेलीकॉप्टर से अलग होकर ऊपर उड़ गए हैं!
और हम नीचे गिर रहे हैं! कूदो!
इन सबको तो मैं बचा लूंगा! लेकिन सधम की शक्ति से तुम्हें कौन बचाएगा, यांत्रा?
यांत्रा किसी से नहीं बचता! बल्कि यांत्रा से लोग बचते हैं!
नागराज और सधम यांत्रा से उलझे हुए थे-

और दिल्ली में-
ऑल पुलिस एंड पैरामिलिट्री यूनिट्स! स्टेंशन! स्टेंशन!
पार्लियामेंट हाउस पर हमला हुआ है! हालांकि हमलावर सिर्फ एक ही है! लेकिन उसने वहां पर तैनात सभी सुरक्षाकर्मियों को बेबस कर दिया है! सभी यूनिट तुरन्त संसद भवन पहुंचें!
ओ माई गॉड! इस वक्त तो संसद भवन में बजट प्रस्ताव पर विशेष बहस चल रही है! प्रोबॉट मुझे पूरी स्थिति की जानकारी दो!
मेरा संसद भवन पर फिक्स कैमरा जो दिख रहा है उस पर यकीन करना मुश्किल है! घातक से घातक वारों को भी हमलावर आसानी से पचा गया है! और कुछ सुरक्षाकर्मियों को तो उसने विखंडित कर दिया है!
वह मुझको सामने दिख रहा है प्रोबॉट! और अब विखंडित होने की बारी उसकी है!

बस! बन्द कर यह तबाही! वर्ना परमाणु भूल जाएगा कि तू इंसान है, और परमाणु इंसानों की जान नहीं लेता!
ओह! तो तू है परमाणु! दिल्ली का रखवाला! उसकी छत!
मुझे तेरी ही तलाश थी!
और अब मेरी तलाश का अंत तेरी लाश से होगा!
इस के साथ मैं नरमी नहीं बरतूंगा! क्योंकि इस वक्त देश का हर बड़ा नेता संसद भवन में है! और मेरी एक चूक का अर्थ उन सबकी मौत हो सकता है! मुझे इसको रोकना होगा! और यह काम इसके किरण छोड़ने वाले हाथों को 'स्टम नाइफ' से अलग करके किया जा सकता है!
आऽऽह!
बहुत दर्द हो रहा है! मैं ये दर्द सह नहीं सकता
मैं अपनी गर्दन भी कटवा लेता हूं!
ताकि मेरे साथ-साथ मेरा दर्द भी खत्म हो जाए!
परमाणु को मार पाना तेरे जैसे कई अपराधियों का सपना है!
और यह सपना ही रहेगा!
ओह! ये इसने क्या किया?
शायद ये आत्मघाती आतंकवादी था!

मेरे अंग इतनी ऊंचाई से नीचे गिरेंगे तो इनकी हड्डियां टूट नहीं जाएंगी क्या?

इसका... इसका सिर तो बोल रहा है! यह सर कटने के बाद भी जिन्दा है!

नागपाशा अमर है! और अमर हैं उसकी शक्तियां! देख कि अब मैं तुझे कैसे मारता हूं!

तरतरा, आओ!

ओह! यह आतंकवादी नहीं हो सकता! इसका मकसद शायद सिर्फ मुझे मारना है! क्योंकि मेरे यहां पहुंचने के बाद इसने संसद भवन पर एक भी वार नहीं किया है!

खैर, अभी तो मुझे इस तरतरा से निपटना है! इसका तरल शरीर मुझे अपने लपेटे में लिए जा रहा है!... और सांप की कुंडली की तरह मेरी हड्डियां तोड़ने की कोशिश कर रहा है!

नागपाशा समय खराब कर रहा है! यह प्राणी परमाणु को मार नहीं पाएगा!

मैं जानता हूं! तुम धैर्य रखो! हमने परमाणु को मारने की योजना उसी जानकारी के अनुसार बनाई है जो तुमने हमको परमाणु के बारे में दी है इतिहास!

अपने स्टामिक ब्लास्ट से तरतरा को गैस बना देता हूं!
ओह! ये तो 'ब्लास्ट' को पचा गया!
बेकार कोशिश मत कर परमाणु! अपनी परमाणु ऊर्जा को बचाकर रख! तरतरा को गैस बनाने के लिए कई हजार डिग्री का तापमान चाहिए और जमाने के लिए शून्य से सैकड़ों डिग्री नीचे का तापमान! और तेरे पास न इसे गैस बनाने लायक तापमान है, और न ही जमाने लायक तापमान!
मेरे शारीरिक वार इस पर बेअसर हैं...
... और ये... गड़बड़... मेरे चेहरे को ढकता जा रहा है! ये... अक... मेरी... सांसें रोककर मुझे मारना चाहता... अक... है!
आवाज बंद हो गई है! मुझे ट्रांसमिट होना होगा! लेकिन यह काम मैं न तो बोलकर कर सकता हूं और न ही बेल्ट में लगा कंट्रोल चालू करके!
क्योंकि इसके तरल हाथ मेरे हाथों को 'खींचकर' बार-बार बेल्ट से दूर ले जा रहे हैं!
प्रोबॉट पूरी स्थिति पर आंखें गड़ाए हुए था-
परमाणु फंस गया है! मुझे यहां से तरंगें भेजकर उसको ट्रांसमिट करके आजाद कराना होगा!
तरंगें चल पड़ीं-

और कुछ ही पलों में तरंगों ने परमाणु तक पहुंचकर, उसको ट्रांसमिट करना शुरू कर दिया-
देखते ही देखते परमाणु ट्रांसमिट होकर आजाद हो गया था-
देखा? अगर परमाणु अपनी बेल्ट का प्रयोग न कर सके तो भी न जाने कहां से कोई उसको मदद पहुंचा देता है!
यह तुम पहले बता चुके हो! अभी देखते रहो कि आगे क्या होता है!
तरल पदार्थ को काटा या फाड़ा नहीं जा सकता, लेकिन किसी कंटेनर में कैद जरूर किया जा सकता है! तुझको मैं अपने परमाणु खोल में कैद करूंगा, जहां से तू बाहर नहीं निकल पाएगा!
परमाणु, तरंग से जूझ रहा था-
और उसके घर में गुप्त लैब की तरफ जाने वाले रास्ते पर दो कदम तेजी से बढ़े जा रहे थे-
इसी दरवाजे के पार है मेरी मंजिल!
लेकिन इसको खोलने के लिए थोड़ी सी ताकत का इस्तेमाल करना होगा!
बस की ताकत का!
और कुछ ही सेकंडों के बाद-
धड़ाम
ये... ये क्या? किसका है ये काम?

मुझे नहीं पहचानते? बौना वामन को नहीं पहचानते! कमाल है! खैर, मुझे तो यहां पर किसी इंसान के मिलने की उम्मीद थी! लेकिन यहां पर तो सिर्फ एक टीन का डिब्बा है!
टीन का डिब्बा? कहां है?
तुम हो टीन का डिब्बा! एक रोबॉट!
लेकिन तुम कौन हो? यहां तक कैसे आ गए?
यहां तक आना तो आसान काम था! दरअसल हम तीन-चार सुपर विलेनों ने परमाणु को मारने का प्लान बनाया है!
समस्या एक ही थी! वह अदृश्य शक्ति जो परमाणु के मुसीबत में पड़ जाने पर दूर से ही उसकी रक्षा करती है!
हमको उस शक्ति का पता लगाना था! इसलिए हमने तरतरा द्वारा परमाणु को ऐसी स्थिति में फंसाया, कि उसका मददगार उसकी रक्षा करे, और ऐसा करते ही मैं अपने यंत्रों द्वारा उन मददगार तरंगों का स्रोत पता करके वहां तक पहुंच सकूं! बस इतनी सी बात है!
तुमने यहां तक आकर बहुत बड़ी गलती की है बौना वामन! क्योंकि अब तुम वापस नहीं जा सकते!
वापस जाने के लिए मैं नहीं आया हूं...
... मैं तो यहां के यंत्रों पर कब्जा करके उनके इशारों पर परमाणु को नचाने आया... अरे!
यंत्रों पर कब्जा करने का ख्वाब छोड़ दो! अब तुम सीधे जेल जाओगे!
नहीं रोबॉट! नहीं! मु... मुझसे गलती हो गई! मैं बहकावे में आ गया था! मुझे छोड़ दो! मुझे जाने दो!
रोबॉट नहीं, मैं प्रोबॉट हूं!
बौना वामन तो मौका खो चुका था-

लेकिन नागराज और सधम अभी भी, नागपाशा के गुरुदेव द्वारा भेजे गए मददगार, यांत्रा के सामने डटे हुए थे-
तेरी प्रतिकर्षण शक्ति वस्तुओं पर जरूर असर करती है लेकिन ऊर्जा पर नहीं कर पाएगी! मेरी ऊर्जा तुझको जलाकर राख कर देगी!
इस भ्रम में मत रह सधम! मेरी शक्ति तांत्रिक है! यह वस्तुओं के साथ-साथ...
...ऊर्जा पर भी असर करती है!
अच्छा हुआ कि धौंकनी के हमले के बाद मैं सतर्क हो गया था! वर्ना मेरी ऊर्जा मुझे ही घायल कर देती!
आऽऽऽह!
मैं अपने मंत्रों से इसका स्वरूप बदल सकता हूं! लेकिन मंत्र भी मैं ऊर्जा के रूप में ही छोड़ता हूं!
इसलिए मेरे मंत्र भी इस तक नहीं पहुंच पाएंगे!
अब प्रतिकर्षण के बाद आकर्षण की शक्ति देख सधम! इन दोनों पाटों के बीच जबरदस्त आकर्षण है! और इतने आकर्षण के बीच में जो भी आएगा, वह पिस-कर रह जाएगा!

ट्रैम्पोलीन: कैनवस का एक ऐसा वृत्त जो स्प्रिंगों के सहारे, एक फ्रेम पर हवा में झूलता है और इस पर कूदने से कई मीटर ऊपर तक उछला जा सकता है।

और वहां से दूर-दिल्ली में परमाणु भी मुसीबत से बाहर नहीं निकल पाया था-
ओह! मेरे परमाणु खोल ने तरतरा को कैद तो कर लिया है; लेकिन खोल पर अंदर से तेज दबाव पड़ रहा है! यह टूट सकता है!
टूट सकता नहीं बोल, टूटेगा बोल! तरतरा अपने शरीर का घनत्व बढ़ा रहा है! और इस दबाव को तेरा खोल सहन नहीं कर सकता!
देख! आजाद हो गया है तरतरा! अब तेरी खैर नहीं है!
ओह! आजाद होते ही तरतरा अपनी द्रव बूंदों को भाले की तरह नुकीला करके उनका वार मुझ पर कर रहा है! परमाणु कणों में बदल-कर इनसे बचता हूं!
ओह! मैं तो भूल ही गया था कि ये द्रव की बूंदें हवा में तैर सकती है! ये बूंदें तो मेरे कणों के बीच में आकर रुक गई हैं! अब अगर मैं सामान्य रूप में आया तो ये मेरे शरीर के अंदर घुसी रह जाएंगी और बेतहाशा दर्द पैदा करेंगी!
हा हा हा! तू शायद असली रूप में आना नहीं चाहता, पर तुझे आना पड़ेगा!
क्योंकि अगर तूने ऐसा नहीं किया तो मैं संसद को तबाह कर दूंगा!
परमाणु को सामान्य रूप में आना ही पड़ा! और ऐसा करते ही-
आऽऽऽह! भयंकर दर्द हो रहा है! प्रोबॉट, कुछ करो!
प्रोबॉट सुन रहे हो न? कहां हो तुम?

प्रोबॉट थोड़ा व्यस्त था-
सॉरी परमाणु! मैं किसी काम में फंसा हुआ था! मैं अभी तुम्हारे शरीर में धंसे 'तरल-तीर' निकालता हूं!
तो फिर आकर मुझे रोक लो!
अभी रोकता हूं!
आरीकॉप्टर!
बौना वामन की पुकार के जवाब में-
न न न प्रोबॉट! ऐसा मत करना! वर्ना मेरी नाक कट जाएगी! सारे विलेन मेरा मजाक उड़ाएंगे!
उसका 'वॉयस कंट्रोल' से संचालित होने वाला हैलीकॉप्टर आ हाजिर हुआ-
अब मेरा आरीकॉप्टर तुमको काटेगा!
इस हैलीकॉप्टर में परों के साथ आरीदार चक्र भी लगा है! यह मेरे बंधनों को काट डालेगा! मेरे खिलौनों के रहते मुझे कोई बंधक नहीं बना सकता! पहली बार तो मैं जानबूझकर तुम्हारा बंधक बन गया था, ताकि मैं तुम्हारी लैब को ध्यान से देख और समझ सकूं!
ज्यादा मत उछल बौने! यह प्रोबॉट का इलाका है! और प्रोबॉट को उसके इलाके में कोई मात नहीं दे सकता!
परमाणु परेशान था-
प्रोबॉट जवाब देने के बाद भी कुछ नहीं कर पा रहा है!
यानी जो करना है मुझे करना होगा!
यह जाली शायद साफ करने के लिए खिड़की से निकाली गई है! पर फिलहाल ये मेरे शरीर में फंसी गंदगी को साफ करेगी!

परमाणु का शरीर परमाणु कणों में बदलकर जाली के पार होता चला गया-
और तरल द्रव के नुकीले तीर जाली में ही फंसकर रह गए-
ओह! नागपाशा फिर से संसद भवन पर हमला कर रहा है! लेकिन उससे निपटने से पहले...
... मुझे तरतरा से निपटना होगा! और इतनी देर में मैंने इससे निपटने का तरीका सोच लिया है!
मैं इसके चारों तरफ घूमकर हवा का एक तेज बवंडर बनाऊंगा, और बवंडर अपने अंदर का दबाव कम होने के कारण हर चीज को अंदर खींच लेते हैं!
तरतरा का तरल शरीर भी बवंडर में खिंचता चला जाएगा, और मैं इसको खींचता हुआ वातावरण की उस पर्त तक ले जाऊंगा जहां पर तापमान शून्य से सौ डिग्री कम होता है!...
और ये बात नागपाशा खुद ही बता चुका है कि इस पर अत्यधिक ठंड का असर होता है! अब जबकि इसका तरल शरीर जम चुका है!
मैं इसको एक घूंसे में तोड़कर इसके टुकड़े-टुकड़े कर सकता हूं!
तरतरा खत्म हो गया था-

अब तुम्हारी बारी है नागपाशा!
आऽऽऽह! कितनी बार समझाऊं कि तू मुझको मार नहीं सकता।
लेकिन मैं तुझे चुटकी बजाते खत्म कर सकता हूं!
ये त्रंशूल तब तक तेरा पीछा नहीं छोड़ेगा जब तक तेरे शरीर में घुसकर फट न पड़े! अब तू जहां चाहे चला जा या चाहे जिस रूप में अपने आपको बदल ले। ये त्रंशूल तेरा पीछा नहीं छोड़ेगा।
इसका तरीका भी है मेरे पास।
श्रिंक!...
...तेरे शरीर में घुसता और निकलता रहूंगा! और ऐसा ही त्रंशूल भी करेगा, क्योंकि ये मेरा पीछा छोड़ेगा नहीं!
आऽऽऽह! त्रंशूल तो मुझे बहुत तकलीफ दे रहा है! इसको रोकना होगाऽऽऽ
फच्च
खच्च
... मैं अपने शरीर को छोटा करके खुद ही एक शूल की तरह ...
गायब हो जा त्रंशूल!
अब तू भी सो जा नागपाशा!
नागपाशा हार रहा है!
अब हमारे पास वक्त नहीं है! जाओ काल पहेलिया!
मैं तुमको अतिरिक्त शक्ति देता हूं!

अच्छा, तुझे तेरी मौत का एक सुराग देता हूं! बूझ कि पानी में डूबा कागज और तेरी मौत एक ही क्यों है?

तुम दोनों अपनी जान की खैर मनाओ! अब वायु सेना के लड़ाकू विमान आते ही होंगे! उसके बाद तुम दोनों या तो जेल में नजर आओगे या नर्क में!

और बेल्ट में लगा 'वायस-एक्टिवेटर' चालू हो गया-

य... ये क्या? मैं छोटा होता जा रहा हूं! और मैं अपनी बेल्ट को ऐसा करने से रोक नहीं पा रहा हूं!

पहेली का जवाब, था गला! तेरी आवाज निकालने वाला गला और यदि पानी में कागज डूब जाए तो वो भी गला! यानी गल जाना...

...रही बेल्ट की बात तो इस टेप-रिकार्डर से निकलने वाली शक्तिशाली रेडियो तरंगें, तेरी बेल्ट में खराबी पैदा कर रही हैं...

... बचने का एक ही तरीका है कि तू बेल्ट को उतार फेंक! वर्ना तू इतना छोटा हो जाएगा कि एक चींटी भी तुझे मसल सके!

वैसे भी ऐसा करके भी मुझे कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि अब मैं अपनी शक्तियां बेल्ट के जरिए न लेकर प्रोबॉट से ले लूंगा!
प्रोबॉट!
ओह! यह क्या? प्रोबॉट कोई जवाब नहीं दे रहा है, और मैं तेजी से नीचे गिरता जा रहा हूं!... प्रोबॉट!
प्रोबॉट कोई जवाब नहीं दे रहा था और परमाणु का शरीर जमीन से टकराने के लिए तेजी से गिरता आ रहा था-
प्रोबॉट को बौना वामन परमाणु की मदद करने ही नहीं दे रहा था-
तू मुझसे ज्यादा देर तक बच नहीं सकता बौने! मेरे निशाने अचूक हैं!
आssssह!
ये तूने क्या किया, प्रोबॉट? मेरा खून निकाल दिया! अब खून की गंध पाकर मक्खियां आएंगी!
मेरे घाव पर बैठेंगी! मेरा खून चाटेंगी! लो, आ गई मक्खियों की फौज!
एकाएक इतनी मक्खियां कहां से आ गईं? पहले तो ऐसा कभी नहीं हुआ!
प्रोबॉट बौना वामन की चालें समझ नहीं पा रहा था-
आssssह! ये मक्खियां तो मुझसे चिपट रही हैं!
तेरे लिए ही बुलाया है, इनको!
ये मेरी खिलौना मधुमक्खियां हैं! और इनके डंकों में भरा हुआ है तेज एसिड! ये एसिड तेरे शरीर के अंदर पहुंचकर तेरे नाजुक पुर्जों को गला देगा!

और तू बेजान टीन का डिब्बा बनकर रह जाएगा!
प्रोबॉट के नाजुक सर्किट तेजी से नष्ट हो रहे थे-
और शीघ्र ही- परमाणु के बचने की आखिरी उम्मीद भी खत्म हो चुकी थी-
हा हा हा! खुद एक खिलौना होकर खिलौने के उस्ताद से टक्कर लेने चला था! मूर्ख रोबॉट!
परमाणु के गिरने की गति और तेज होती जा रही थी-
ऐसे मौकों के लिए मैंने खास इंतजाम करके रखा है!
पैराशूट का इंतजाम!
ओह! मैं सुरक्षित नीचे उतर गया! अब तो बेल्ट भी काम करेगी, क्योंकि रेडियो तरंगें उतनी दूर से मेरी बेल्ट के यंत्रों से गड़बड़ी पैदा नहीं कर... अरे!
बेल्ट छोड़ दे, परमाणु!
तुम! तुम भी यहां पर हो!

हां, मैं इतिहास! तेरी मौत! ये सारा तमाशा तेरे लिए ही तो रचा गया है! अब तेरे शरीर पर न तो बेल्ट है, और न ही तेरे अदृश्य मददगार से तेरा संपर्क है! अब तू बगैर शक्तियों के है! और इस वक्त तुझे खत्म करना इस प्रागैतिहासिक जानवर के लिए बच्चों का खेल है, जिसको मैंने अपनी शक्तियों द्वारा पृथ्वी के इतिहास से जिन्दा किया है!
आऽऽऽह! मैं बुरी तरह से थक चुका हूं! शक्ति जवाब दे रही है!
और मेरे बदन पर लगे घावों की संख्या बढ़ती जा रही है!... मेरी बेल्ट! हां, वही मुझको बचा सकती है, और इन खलनायकों का षड्यंत्र विफल कर सकती है!

कहानी 67 पेज से जारी

Amaan
लेकिन ये प्राणी मुझको बेल्ट तक पहुंचने नहीं देगा! बेल्ट तक पहुंचने के लिए पहले इससे पीछा छुड़ाना पड़ेगा!
झाड़ियों में छिपकर तू इससे बच नहीं सकता! इसकी सूंघने की शक्ति तुझे ढूंढ़ निकालेगी!
जल्दी ही-
वह रहा! फाड़ डालो इसको!
परमाणु का हाथ, घातक जबड़ों में जकड़ गया-
लेकिन-
अरे! ये तो...
ये तो परमाणु की ऊपरी पोशाक है! घास पत्तियों से भरी हुई!
हां, इतिहास! तेरा पालतू मेरी पोशाक में बसी मेरी गंध को सूंघ रहा था!... और इस बीच मैंने अपनी बेल्ट को हासिल कर लिया है!...
...अब न तेरी खैर है और न ही तेरे पालतू की!

खैर तो अब तुम्हारी नहीं है, परमाणु!
बड़ा खराब निशाना है तुम्हारा!
मैं इधर हूं और तुम तलवार उधर फेंक रहे हो!
तलवार सही निशाने पर है परमाणु! दरअसल प्रागैतिहासिक प्राणी तो सिर्फ तुम्हारा ध्यान बंटाने के लिए और तुमको बेल्ट उतारने को मजबूर करने के लिए था!
तुम्हारी बेल्ट से एक तार जुड़ा हुआ है, और मेरी तलवार उस तार का संपर्क एक ऐसे दूसरे तार से करने जा रही है...
... जो ग्यारह हजार वोल्ट के ट्रांसफार्मर से जुड़ा हुआ है! तुम्हारी मौत मेरा प्रागैतिहासिक प्राणी नहीं, तुम्हारी अपनी बेल्ट है, परमाणु!
परमाणु के शरीर में तेज करेंट दौड़ता चला गया-

और परमाणु की धड़कन शांत होती चली गई-
अब मैं इसके भी प्राण खींच लेता हूं! एक और पुण्यात्मा मर गया! यानी मैं और शक्तिशाली हो गया!
अब यहां पर रुकना बेकार भी है और खतरनाक भी! हमारा अगला पड़ाव होगा मुंबई! और हमारा अगला शिकार होगा डोगा!
और डोगा की जान लेने का अधिकार सिर्फ काल पहेलिया के पास है!
नागराज अभी भी अपने इच्छाधारी रूप में ही था-
मैं जानता हूं कि तू सिर्फ तीन पलों तक इस रूप में रह सकता है नागराज! एक पल तो बीत ही चुका है! ये गया दूसरा पल...
...और तीसरा पल! हा हा हा! बिखर गया नागराज! खत्म हो गया! अरे, इसको तो चिता भी नसीब नहीं हुई...
...अब इसके साथ-साथ मधस भी खत्म हो जाएगा!

और 'यांत्रा' अपना अभियान पूरा करके वापस... अरे! तू... तू आजाद कैसे हो गया, सधम! मेरे पाटों के बीच में फंसने के बाद तो मेरे शिकार की सिर्फ लाश ही बाहर आती है!

तूने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारी है, यांत्रा!
कौन?

नागराज! तू... तू कैसे बच गया? यह... यह नहीं हो सकता! तू तो कणों में बंटकर बिखर गया था! मेरी प्रतिकर्षण शक्ति तेरे कणों को जुड़ने दे ही नहीं सकती थी!
सच कहा तूने! ऐसा ही हो रहा था! लेकिन तभी मुझको तेरी उस आकर्षण शक्ति का ख्याल आया जो तेरे उन दो पाटों में समाई हुई थी! जिसमें सधम पिस रहा था!
तू पहले ही बता चुका था कि तेरी आकर्षण और प्रतिकर्षण शक्तियां एक दूसरे की विपरीत शक्तियां हैं! बस, मैंने अपना हाथ बढ़ाकर उन पाटों को स्पर्श किया और पाटों की आकर्षण शक्ति ने मेरे कणों में समाई प्रतिकर्षण शक्ति को नष्ट कर दिया!
ऐसा करने से आकर्षण शक्ति भी इतनी कमजोर हो गई...
...कि सधम उन पाटों को अलग करके आजाद हो सके!

अब तेरी कोई चाल कामयाब नहीं होगी! इस बार यांत्रा तुम दोनों को बचने का मौका नहीं देगा!
ओह! एक पल के लिए मुझको लगा था कि यांत्रा के अस्तियां इस्तेमाल करने से पहले ही नागराज और सधम इसको नष्ट कर देंगे!
ये हर चीज को अपने से दूर धकेल सकता है, सधम! तुम्हारे मंत्रों की शक्ति तक को! लेकिन एक चीज को ये दूर नहीं धकेल सकता, और वह है हवा! क्योंकि हर जिन्दा चीज को जीवित रहने के लिए हवा और उसमें मौजूद ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है! और अगर ये हवा में सांस लेता है तो मेरी विष फुंकार से बच नहीं सकेगा!
आऽऽऽह! आऽऽऽह! खों खों खों! ये तूने क्या कर दिया नागराज?
हा हा हा! देखा, कैसा बढ़िया अभिनय किया मैंने! अरे मूर्खो, मैं सांस तो तब लूंगा जब मैं जीवित होऊंगा! मैं एक यांत्रिक मानव हूं! रोबोट हूं मैं! मैं सांस नहीं लेता, सिर्फ जान लेता हूं!
आऽऽऽह! हमारा ये वार भी विफल हो गया!
जल्दी कोई रास्ता सोचो! वर्ना अधम उतनी देर में पूरी पृथ्वी पर कहर फैला देगा!
नागराज और सधम की संयुक्त शक्ति भी यांत्रा से जीत नहीं पा रही थी-

लेकिन अधम और सुपर विलेनों की टोली एक किला फतह कर चुकी थी-
अब बारी दूसरे किले के गिरने की थी-
मुंबई का वह किला जिसकी दीवारों से टकराकर कई अपराधी खाक में मिल चुके थे-
डोगा-
आSSSह! आSSSह!
कोई ऐसे कराह रहा है जैसे बकरे को जिबह किया जा रहा हो!
आवाज उधर से आ रही है!
डोगा को मोटरसाइकल मोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी-
धड़ाक
यह कौन मेरी मोटरसाइकल से आ टकराया? यह जरूर वही आदमी है जो कराह रहा था!
आहह!
ओफ्! इसका गला तो छेदों से भरा हुआ है! नुकीले दांत जैसे छेदों से खून बेतरह बह रहा है!

डोगा पर निगाहें जमीं हुई थीं-

अगर डोगा ये पहेली बूझ नहीं पाया तो गड़बड़ हो जाएगी! हमारे पास वक्त बहुत कम है!

काल पहेलिया के अनुसार डोगा आज तक उसकी पहेलियां बूझने से नहीं चूका!

और रही वक्त की बात तो उसकी चिन्ता मत करो! गुरुदेव ने अगर किसी को भेजा है तो सोच समझकर ही भेजा होगा। नागराज और ध्रुव अभी काफी देर तक व्यस्त रहेंगे!

नागपाशा और काल पहेलिया का अनुमान सही था! डोगा ने पहेली को सुलझा लिया था-

काल पहेलिया ने जरूर कोई जाल बिछाया है! वर्ना वह मुझको यूं बुलाने की हिमाकत नहीं करता! इसीलिए मैं भी उस रास्ते से जाऊंगा जहां से उसको मेरे आने की कतई उम्मीद नहीं होगी! इस रास्ते से या तो चिड़िया ऊपर जा सकती है या फिर डोगा!

यहां पर दर्जनों छोटी-बड़ी गुफाएं हैं! लेकिन मुझको अपने मतलब की गुफा ढूंढ़ने में ज्यादा दिक्कत नहीं होगी!

वह रही मेरे मतलब की गुफा!

अगर मैंने पहेली का सही मतलब समझा है...

...तो इसी गुफा के अंदर मिलेगा...

... काल पहेलिया!

आऽऽऽह!

ये तो खून पीने वाले चमगादड़ हैं!

मैं जानता था! मैं पहले ही समझ गया था कि तेरी पहेली का अर्थ है खंडाला की चूना-पत्थर की पहाड़ी गुफाओं में रहने वाले रक्तपिपासु चमगादड़! लेकिन इनको भगाना मुश्किल काम नहीं है! इनके लिए मैं तेज रोशनी पैदा करने वाले पटाखे लेकर आया हूं! तेज रोशनी से चमगादड़ तुरन्त भाग जाते हैं!
ये कैसे चमगादड़ नहीं हैं डोगा!
ये किसी भी किस्म की रोशनी को नहीं देख सकते! अब तो ये तुझको तेरे खून की एक-एक बूंद चूसने के बाद ही छोड़ेंगे!
ये बिलकुल अंधे चमगादड़ हैं!
डोगा का खून कोई नहीं पीता काल पहेलिया!
डोगा तुझ जैसे कमीनों का खून पीता है!
ओह! तू अपने और मेरे बीच में आग लगाकर मुझसे बचना चाहता है?
तुमसे नहीं...
...तेरे चमगादड़ों से बचना चाहता हूं!
ओ, ओ, चमगादड़ आग में भुनते जा रहे हैं!
हां! और उस हथगोले में इतनी ज्वलनशील जेली भरी थी कि ये आग आधे घंटे तक जलती रह सके!
चमगादड़ आग की इस दीवार को पार नहीं कर पाएंगे!
अब बस तू है और मैं हूं काल पहेलिया!

गलत, डोगा गलत! अच्छा बता, जानवर से ज्यादा खतरनाक कौन होता है?
इंसान!
धन्यवाद, धन्यवाद! लेकिन जो इंसान जानवर बन गया हो उससे भी ज्यादा खतरनाक क्या होता है?
जैसे ये!
हे भगवान! इसको... इसको तुमने बनाया है!
हुमऽऽऽ आइडिया मेरा था! बनाने वाली शक्ति किसी और की है!
अधम की!
और इंसान से ज्यादा खतरनाक कौन होता है?
वो इंसान जो जानवर बन गया हो! जैसे तू!
नहीं पता तो सुन! वह जानवर जो इंसान बन गया हो!
और मेरे ख्याल से ऐसी शैतानी ताकत अधम ही बना सकता है जो डोगा को भी खत्म कर सके!
ओह! मैं तुम दोनों का परिचय कराना तो भूल ही गया! ये डोगा है! और डोगा ये मैनबैट है! तेरी मौत!
तुझे यहां पर बुलाने का असली कारण! इसी ने उस आदमी को मारा था जो तेरी मोटरसाइकल से आ टकराया था!
और तुमको यहां पर इसलिए खींचकर लाया गया है ताकि इसकी और तेरी लड़ाई के बीच में तेरे मददगार कुत्ते ना आ सकें! स्टार्ट मैनबैट!

मुझे मदद की जरूरत नहीं है काल पहेलिया! मदद की जरूरत तो मैनबैट को पड़ेगी, क्योंकि मैं इसके शरीर में एक इतना बड़ा छेद करने जा रहा हूं, जो उन सारे छोटे छेदों के बराबर होगा, जो इसने उस निर्दोष की गर्दन पर किए थे!

तू तो इसके बदन में बड़ा छेद नहीं कर पाया डोगा, लेकिन ये तेरी गर्दन को छेदों से जरूर भर देगा!

डोगा, मैनबैट से जूझ रहा था-

और अधम तथा नागराज यांत्रा को अपने रास्ते से हटाने की कोशिश कर रहे थे-
इसके वारों को तो मैं आसानी से रोक सकता हूं, नागराज! लेकिन जब तक यांत्रा हमारे रास्ते में खड़ा है तब तक हम अधम तक नहीं पहुंच सकते!
मुसीबत यह है कि यह यांत्रिक खिलौना है! मेरे सारे वार यहां तक कि सम्मोहन भी इस पर बेअसर है! अब तो मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग भी बचने तक के लिए नहीं कर सकता!
आऽऽऽह!
ओफ्फ! हम तुम्हारी मदद भी नहीं कर पा रहे हैं, नागराज! अगर हमारे पास कोई रिमोट कंट्रोल वाला लड़ाकू हेलीकॉप्टर होता तो हम जरूर कोशिश करते! अभी तो हम जानबूझकर अपने आदमियों की जान खतरे में नहीं डाल सकते!
रिमोट कंट्रोल! बस! यही जवाब है इस यांत्रा का! मैं समझ गया कि इसको कैसे खत्म किया जा सकता है!
तुम आखिर क्या समझ गए हो नागराज! मुझे भी तो बताओ इसको नष्ट करने का तरीका क्या है?
बताने का वक्त नहीं है अधम!
बस, तुम मेरा इशारा पाते ही इस पर वार कर देना! तब तक इसके वारों से बचते रहो!

यांत्रा को खत्म करने का रास्ता तो नागराज ने तलाश लिया था! लेकिन डोगा को अभी मैनबैट को खत्म करने का कोई रास्ता सूझ नहीं रहा था-
डोगा की गर्दन में जो दांत घुसेंगे...
...वो तोड़ दिए जाएंगे!
दांत तोड़ेगा तो तू पंजों से मरेगा डोगा! पर मरेगा जरूर!
मैं नहीं, ये शैतान मरेगा!
ओह! तू ग्रेनेड का प्रयोग करके इसको मारना चाहता है! चल फिर से ग्रेनेड फेंककर कोशिश कर ले!
मैंने ग्रेनेड फेंकने के लिए नहीं उठाया है काल पहेलिया!
इस खून के प्यासे को खिलाने के लिए उठाया है!
मैनबैट को ग्रेनेड उगलने का मौका तक नहीं मिला-
और नतीजा सामने आ गया-

ले! खत्म हो गया तेरा मददगार काल पहेलिया!
अब बता, तू अपने सिर को कैसे बचाएगा?
पहले अपने सिर को बचा, डोगा!
ओह! मैनबैट बगैर सिर के भी जिन्दा है!
हां डोगा! सिर कटने से इसके चलने-फिरने पर कोई फर्क नहीं पड़ता!
अगर सिर कटने से फर्क नहीं पड़ता तो टांगें टूटने से तो पड़ेगा न!
अब ये न तो चल पाएगा...
...और न ही उड़ पाएगा!
अब ये तेरे किसी काम का नहीं है काल पहेलिया!
इसीलिए तेरी तरफ से मैं इसका क्रियाकर्म कर देता हूं!
अब तो तू... आऽऽऽह! मुझको एकाएक चक्कर क्यों आ रहा है?
क्योंकि मरने के बावजूद मैनबैट तेरी मौत बन गया है, काल पहेलिया! इसके दांत में रैबीज जैसे खतरनाक विषाणु भरे थे! जो अब तेरे शरीर में प्रवेश कर गए हैं!

कहानी 83 पेज से जारी

अब तेरे शरीर में इस बीमारी बैटबीज के विषाणु पनप रहे हैं! और ये तुझको पांच घंटे के अंदर मार देंगे!
ऐसा नहीं होगा! तेरी चाल कामयाब नहीं होगी! अगर बीमारी है तो इसका कोई इलाज भी होगा! मैं बैटबीज को अपने शरीर में पनपने नहीं दूंगा!
बैटबीज का इलाज है होगा, जरूर है!
लेकिन सिर्फ दो लोगों के पास!
एक तो डॉक्टर डालिया के पास... माफ करना स्वर्गीय डॉक्टर डालिया के पास था! स्वर्गीय इसलिए क्योंकि वह उनकी ही गर्दन थी, जिसमें मैनबैट ने बिना गिने छेद किए थे!
और दूसरा हूं मैं! जिसने वह इलाज डॉक्टर डालिया से लेकर इसलिए अपने पास रख लिया था कि अगर मैन बैट बेकाबू होकर मुझे ही काट खाए तो मैं उस काट को दवाई से काट सकूं!
तो फिर तू मुझे या तो अपनी जान देगा और या फिर दवाई!
काल पहेलिया से तू कुछ भी नहीं ले पाएगा होगा!
क्योंकि इतिहास तुझको उस युग में ले जाएगा जहां पर न तो कोई डॉक्टर होगा और न ही दवाई!
वहां पर होंगे तो सिर्फ तेरी जान के भूखे लड़ाकू योद्धा!
और इस कमजोर हालत में तू उनसे पांच मिनट भी नहीं बच पाएगा! अब देखना यह है कि निहत्था डोगा पहले योद्धाओं के हाथों मरता है या बैटबीज के हाथों!
हा हा हा

ठताक
इस समय तू सिकंदर की उस बची खुची सेना के योद्धाओं से घिरा हुआ है जिनको सिकंदर, पोरस से हुए युद्ध के बाद छोड़ गया था! बहुत दिनों से इन्होंने कोई जान नहीं ली है! और इस वक्त इतिहास के नियंत्रण में ये तेरी जान लेकर अपनी प्यास बुझाएंगे!
ओह! इस कमजोर अवस्था में मैं इनसे लड़ नहीं सकता!
मुझे यहां से भागना होगा!
छुपना होगा!
आऽऽऽह!
कुछ नजर नहीं आ रहा है! लेकिन झाड़ियों का बुरी तरह से हिलना यह बता रहा है कि डोगा मरने से पहले बचने की जी-तोड़ कोशिश कर रहा है!
लेकिन वह बच नहीं पाएगा!
नहीं बचा! हाहाहा!

पहले मैं देखूंगा कि ये कहीं इसकी चाल तो नहीं है! शायद ये मरने का नाटक कर रहा हो!
इसकी नब्ज देखता हूं!
तू... सही समझ रहा है इतिहास! मैं... मरने का नाटक ही कर रहा था! ताकि तू मेरे पास आ जाए... और मैं तेरे बदन में... ये घुसा सकूं!
क्या है ये?
ये मैनबैट का वह... दांत है जिसको मैंने... तोड़ा था! मैं इसको साथ लेता आया था! अब तेरे शरीर में भी... वही घातक विषाणु दौड़ रहे हैं... जो मेरे शरीर में है! अब... तू भी मरेगा... मरेगा!
अच्छी चाल थी डोगा! लेकिन इससे कुछ नहीं होगा! ये पांच घंटों में असर करता है और तू तो कुछ पलों का ही मेहमान है! तेरे मरने के बाद मैं वापस अपने वर्तमान में चला जाऊंगा और काल पहेलिया मुझे वैटवीज की काट पिलाकर ठीक कर देगा!
वह तुझे कभी काट नहीं देगा! तू... अब उसके लिए बेकार है! अरू! तेरी उपयोगिता... अह... खत्म हो चुकी है!
डोगा की नब्ज डूबती चली गई-
ये... ये तो मर गया! पर मुझे टेंशन दे गया! क्या सचमुच काल पहेलिया मुझको दवाई नहीं देगा!
अभी वर्तमान में जाकर पता करता हूं! अगर काल पहेलिया मुझको दवाई नहीं देगा तो मेरे साथ-साथ खुद भी मरेगा! मैं छोड़ूंगा नहीं उसको!

काल पहेलिया! काल पहेलिया!
तू आ गया इतिहास! डोगा कहाँ है?
मर गया डोगा! मैंने अपने इन हाथों से उसके घायल शरीर में तलवार घुसाई है!
पर तू उसकी लाश लेकर क्यों नहीं आया?
मेरे साथ-साथ उसकी लाश भी वर्तमान युग में आ गई होगी! यहीं कहीं पर पड़ी होगी! पर अभी ये बातें छोड़ो! मुझे बैटबीज की 'एंटीडोट' दो फटाफट!
बैटबीज की एंटीडोट तुमको क्यों चाहिए?
उस डोगा के बच्चे ने मरते-मरते मैनबैट का टूटा दांत मेरे गाल में गड़ा दिया था!
कहीं ये डोगा से मिला तो नहीं गया! लाश भी लेकर नहीं आया! कहीं ये बहाने से मुझसे दवाई लेकर डोगा को न दे दे!
बैटबीज की काट, बीमारी के लक्षण दिखने के बाद ही खाई जाती है इतिहास! अभी तो तुम ठीक-ठाक नजर आ रहे हो!
लेकिन मैं तुमसे दवाई लेकर रहूँगा! और अगर तू मुझको दवाई नहीं देगा तो तुझे डायनासोरों के युग में भेज दूँगा, फिर हम साथ में मरेंगे!
समझने की कोशिश कर इतिहास! अगर बिना बैटबीज हुए तूने ये दवाई पी ली तो तू शर्तिया मर जाएगा!
यानी मरते-मरते डोगा मुझे सच्चाई बता रहा था! तू दगाबाज है! मुझे दवाई देना नहीं चाहता!
झगड़ा छोड़ो और ये दवाई मुझे दे दो!
तुम!
तुम यहां कैसे आ गए?

हां मैं!
लेकिन तुम... तुम तो मर गए थे! मैंने अपने हाथों से तुम्हारे सीने में तलवार उतारी थी!
वह तो बेचारा कोई गुमनाम सैनिक था जिसको मैंने झाड़ियों की ओट में पीटकर अपनी पोशाक पहना दी थी और उसका जिरह बख्तर खुद पहन लिया था!
पर उसने तो खुद मेरे चेहरे पर दांत गड़ाया था! मुझसे बात भी की थी!
उसने दांत नहीं गड़ाया था! याद करो उस वक्त उसका हाथ जिसने थाम हुआ था वह मेरा हाथ था! और रहा बात करने का सवाल तो इस कला को 'वेंट्रिलोक्विज्म' कहते हैं। अपनी आवाज को किसी और जगह से आने का आभास देने की कला! तुम जैसे धूर्तों से निपटने के लिए ये कला भी मुझे सीखनी पड़ी है!
रुको! जरा सी दवाई मेरे लिए भी छोड़ दो!
नहीं छोड़ सकता!
दवाई बहुत स्वादिष्ट है!
ठठनाक्कक
इतिहास तेरी चाल में फंस सकता है डोगा लेकिन मैं नहीं!
मैंने यहां से भागने का पूरा इंतजाम कर रखा है!

जब डोगा पीछे लगा हो, तो भागने के रास्ते खुद ब खुद बंद हो जाते हैं! तू अब भागकर भी बच नहीं सकता काल पहेलिया!
आहा! मैं पहाड़ी के नीचे तक पहुंच गया! अब डोगा के अपने पास आने से पहले मैं फूट लूंगा!
ये तो बहुत तेजी से मेरे पीछे आ रहा है! अरे, मुझे बचा ले अधम!
तू जहां तक भाग सकता है भाग, कालपहेलिया! डोगा तुझको दौड़ा-दौड़ाकर मारेगा!
डोगा ने मोटरसाइकल में किक लगाई-
और कालपहेलिया के कान एक भयंकर धमाके से गूंज उठे-
बूम
य... यह क्या? वापस जाकर देखता हूं!

डोगा की मोटरसाइकल में धमाका हो गया! और डोगा मारा गया! ये... ये कैसे हुआ?
मैंने किया!
बौना वामन के हाथ लगे बिना कोई काम पूरा हो ही नहीं सकता! तुमने अधम को पुकारा और अधम ने मुझको!
बस मैंने फटाफट सारी सिचुएशन समझ ली कि जल्दबाजी में डोगा मोटरसाइकल से तुम्हारा पीछा करेगा, और मैंने उसकी मोटरसाइकल में बम फिट करके उसके वाहन को ही उसका काल बना दिया!
डोगा अभी मरा नहीं है! उसके जिरहबख्तर ने उसको धमाके द्वारा मरने से बचा लिया है! लेकिन अब मैं उसकी जान निकालूंगा और यह कोई प्रतिरोध नहीं कर पाएगा!
मर गया था डोगा-
और अब बारी यांत्रा की थी-
तेरी कोई चालाकी काम नहीं आएगी नागराज! अब मैं तेरे सिर और धड़ में विपरीत ऊर्जा भरकर उनको अलग-अलग कर दूंगा! अरे!
मेरे... मेरे हाथ से ऊर्जा क्यों नहीं निकल रही है!
गुरुदेव भी अचंभित था-
यांत्रा से मेरा संपर्क टूट रहा है! पर कैसे?
यांत्रा पर तो किसी ने कोई वार नहीं किया है!

अब इस पर वार करो सधम! अब ये तुम्हारे वार को अपने आपसे दूर नहीं रख पाएगा!
तुम सच कह रहे हो न, नागराज! वरना अगर मेरा मांत्रित वार मुझे ही आलगा तो अपने वार से मैं खुद भी बच नहीं पाऊंगा!
तर्क करने में समय खराब मत करो सधम! वार करो! मैं ज्यादा देर तक इसको विवश नहीं रख पाऊंगा!
तो लो नागराज! तुम्हारे विश्वास पर मैं वह मांत्रित वार कर रहा हूं, जो धातु को भी वायु बना दे!
यह कैसे हो गया? यांत्रा से मेरा संपर्क कैसे टूट गया? अगर ऐसा न हुआ होता तो मैं नागराज और सधम को जिन्दा नहीं छोड़ता!
यांत्रा वार को पलटा नहीं सका-
और उसका धातु का शरीर गलता चला गया-
यही सवाल सधम के दिमाग में भी घूम रहा था-
एक बार दुश्मन की कमजोरी का पता चल जाए तो उसको मारने का रास्ता ढूंढ़ना काफी आसान हो जाता है!...
...एक बार जब मुझको पता चल गया कि यांत्रा, यांत्रिक मानव है तो साथ ही साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि इसको कहीं और से कोई और अपने इशारे से चला रहा है!
क्योंकि यांत्रिक मानव अपने आप दुश्मन की स्थिति और वार को न तो भांप सकते हैं और न ही सही वार कर सकते हैं!...
और अगर यांत्रा किसी और के नियंत्रण में था तो मुझको सिर्फ उन तरंगों को यांत्रा तक पहुंचने से रोकना था जिनकी मदद से उसको दूर-नियंत्रित किया जा रहा था!

और ऐसा करने के लिए मैंने अपने सभी सर्पों को अपनी मानसिक तरंगें प्रेषित करने का आदेश दिया। और भगवान से प्रार्थना करने लगा कि वे मानसिक तरंगें, दूर नियंत्रित तरंगों में व्यवधान पैदा करके उनको यांत्रा तक आने से रोक दें!

और जब यांत्रा मुझ पर वार नहीं कर पाया तो मैं समझ गया कि मेरी योजना काम कर रही है! और मैंने पूर्ण विश्वास के साथ तुमको वार करने के लिए बुलाया!

सधम के साथ-साथ गुरुदेव को भी नागराज की योजना समझ में आ गई थी-

नारका द्वीप में चल रहे घटनाक्रम की खबर राजनगर में भी पहुंच चुकी थी-

सुपर कमांडो ध्रुव तक-

कैप्टेन, अभी-अभी खबर आई है, नारका जेल के ऊपर नागराज और एक अंजान व्यक्ति को किसी खतरनाक प्राणी से लड़ते देखा गया है! लड़ाई काफी देर से चल रही है!

अभी तक लड़ाई के नतीजे की कोई सूचना नहीं आई है!

अगर नागराज राजनगर में आया है तो कोई खास बात ही होगी! मुझे उसकी मदद करनी होगी!

ध्रुव को नारका जेल तक जाने की जरूरत नहीं पड़ी-

ध्रुव!

नागराज! तुम यहां पर कैसे?

अच्छा हुआ कि तुम यहीं पर मिल गए! हमको तुम्हारी मदद की जरूरत पड़ सकती है!

नागराज, ध्रुव को पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया-

वह महापापी अधम नारका जेल क्यों आया था, यह तो हमको पता नहीं चल सका! क्योंकि जेल अधिकारियों से पूछताछ करने से भी कुछ पता नहीं चल सका! कोई कैदी भी गायब नहीं हुआ है!

शायद हमारे वक्त पर वहां पहुंच जाने के कारण अधम और नागपाशा को वहां से भागना पड़ा! मुझे तो यह भी समझ में नहीं आ रहा है कि नागपाशा जैसा खतरनाक खलनायक अधम से कैसे जा मिला?

आश्चर्यजनक कहानी है! अगर तुम्हारे मुंह से न सुनता तो मैं इस कहानी पर कभी विश्वास न करता! लेकिन अगर भेड़िया जैसा शक्तिशाली मारा गया है तो सचमुच अधम महापापी और महाशक्तिशाली है! लेकिन भेड़िया का मरना संयोग नहीं हो सकता है! ...

... मुझे लगता है कि भेड़िया की हत्या किसी षड्यंत्र की सिर्फ एक कड़ी है! हमको दूसरे सुपर हीरोज की भी खोज-खबर लेनी होगी! शायद वह महा-पापी हर उस इंसान को मारना चाहता है जो उसके रास्ते की रुकावट बन सके! और उसमें हम और तुम भी शामिल हैं नागराज!

हमको इस पाप को यहीं रोकना होगा, ध्रुव! मैं चाहता हूं कि इसमें नागराज के साथ-साथ तुम भी हमारी मदद करो! हमारे साथ अधम की खोज पर चलो!

ठीक है ध्रुव! अगर अधम यहां पर वापस आया तो तुम मुझसे संपर्क कर लेना! और अगर हमने अधम को पहले ढूंढ लिया तो हम तुमको मदद के लिए बुला लेंगे!

मैं जरूर चलता! लेकिन अधम और नागपाशा का नारका जेल से असफल होकर वापस जाना यह बताता है कि वे यहां पर वापस जरूर आएंगे!

और इस कारण मैं राजनगर को अकेला छोड़ यहां से जाना नहीं चाहता!

अगला नंबर ध्रुव का ही था-

हमको वापस राजनगर जाना होगा! क्योंकि अब हमको ध्रुव की जान चाहिए!

जरूर चलो अधम जी! लेकिन जरा संभलकर!

और वह नागराज के साथ तुम्हारे सामने आ धमकेगा! और अभी तुम अकेले सधम का सामना करने की स्थिति में ही नहीं हो, उन दोनों का एकसाथ मुकाबला कैसे करोगे?

इसमें भी तुम लोग मेरी मदद करोगे! सधम से तो मैं अकेले भी निपट सकता हूं! तुमको नागराज को उलझाकर रखना होगा! ताकि वह सधम के साथ मुझ तक न पहुंच पाए!

और यह काम कैसे करना है, यह मैं तुमको बताऊंगा!

वैसे भी ध्रुव को मैं इतनी जल्दी मारूंगा कि सधम जब तक मुझ तक पहुंचे तब तक मैं ध्रुव को मारकर जा चुका होऊंगा!

ध्रुव, नागराज से खबर पाने के बाद चौकन्ना हो गया था-

मुझको सारे कुत्तों और चिड़ियों को सतर्क करना होगा! ताकि वे जैसे ही अधम जैसे किसी भी प्राणी को देखें, मुझे तुरन्त सूचना दें!

ओ! स्टार ट्रांसमीटर पर मैसेज आ रहा है!

पीं प पीं प

कैप्टेन करीम हियर! बुरी खबर है! परमाणु को दिल्ली में मार दिया गया है!

व्हाट!

यस कैप्टेन! और उसको मारने वाले तीन अभियुक्तों के हुलिए नागपाशा इतिहास और कालपहेलिया से मैच करते हैं!

डोगा से हमारा संपर्क नहीं हो पा रहा है! प्रोटेक्टर ऑफ अर्थ के अन्य सदस्य...

...कैप्टेन! मुझे सुन रहे हो न? कैप्टेन जवाब दो! ध्रुव!

घनी धुंध ध्रुव को निगल गई थी-

और जब मोटरसाइकल ने धुंध की वह दीवार पार की–
तो चारों तरफ का दृश्य ही बदल चुका था–
य... ये मैं कहां पर आ गया हूं! ये तो राजनगर से मीलों दूर बियाबान सुनसान रेगिस्तान का एक हिस्सा है!
मेरे 'स्टार ट्रांसमीटर' का संपर्क भी कमांडो हैडक्वार्टर से कट गया है!
अब तुम्हारा संपर्क इस संसार से भी कटने वाला है!...
... सुपर कमांडो ध्रुव!
कौन हो तुम? वैसे तुम्हारा हुलिया देखकर मैं यह अन्दाजा लगा सकता हूं कि तुम कौन हो?
डोगा भी मारा गया! ओह! यानी परमाणु को मारने वाले तुम हो! लेकिन मेरी सूचना के अनुसार तो उसको दूसरे नील खलनायकों ने मारा है!
ठीक सुना है! लेकिन उनको मेरे इशारे पर मारा गया है! और अब तुम्हारी बारी है! उधर नागराज मारा जाएगा और इधर तुम! फिर मेरा काम पूरा हो जाएगा, और उसके बाद एथम मेरे सामने टिक नहीं पाएगा!
मुझे अधम कहते हैं! तुमको मसलने के लिए आया हूं! वैसे तो मैं ऐसे मामूली काम स्वयं नहीं करता, लेकिन तुम्हारी तारीफ सुनकर खुद चला आया!
उम्मीद है कि तुमको मारना परमाणु और डोगा को मारने से ज्यादा मुश्किल साबित होगा! वरना मुझे मजा नहीं आएगा!
अब चल! मुझको मंत्र किरण बार 'गलागल' से बचकर दिखा!
ध्यान रहे! अगर ये तुझको लग गई तो तुझको गलकर मरने से न तो विज्ञान रोक पाएगा और न ही मंत्र!
ध्रुव के साथ-साथ-

नागराज के सिर पर भी मौत मंडराने लगी थी-
ओह! मुझको अधम के संकेत मिल रहे हैं! वह अपनी शक्ति का प्रयोग कर रहा है! लेकिन संकेत अभी बहुत हल्के हैं! सही स्थिति का पता लगाने में थोड़ा सा वक्त लगेगा!
अधम के संकेत तो दूसरी दिशा से आ रहे हैं! ठीक है नागराज! तुम जाओ! अगर आवश्यकता पड़ी तो मैं अपनी शक्तियों के द्वारा तुमको बुलवा भेजूंगा!
लेकिन मैं तुम्हारे साथ अधम के पास अभी नहीं जा सकता साधु! महानगर से मेरे जासूस सर्पों के संकेत आ रहे हैं! महानगर में कोई भारी गड़बड़ हो रही है!
मुझे महानगर जाना ही होगा! वैसे भी हम महानगर के पास ही हैं!
महानगर में आने वाली मुसीबत अजीब सी थी-
हा हा हा हा हा!
ओह! एकाएक ये पूरा इलाका दलदली हो गया है! और गगनचुंबी इमारतें इसमें धंस रही हैं! क्या है इसका कारण?
इसका कारण है ये शैतान! बता, कैसे किया तूने ये सब? और तेरा मकसद क्या है? क्या चाहता है तू?
धड़ाक
सदियों पहले महानगर का ये इलाका दलदल था! समय बीतने के साथ ये सूख गया! मैंने तो बस उस इतिहास को जिन्दा किया है! इतिहास यानी मुझको पीटना छोड़कर पहले दलदल में डूबते लोगों को बचा नागराज! फिर मेरा मकसद पूछते रहना!

ये सही कह रहा है! मुझे पहले निर्दोषों की जान बचानी पड़ेगी!
नागराज की कलाइयों से बेशुमार सर्प रस्सियां निकल कर -
दलदल में डूब रहे लोगों के शरीर से लिपटने लगीं-
और उनको सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने लगीं-
तभी वातावरण अलग-अलग तरह की कई सुमधुर लहरियों से गूंज उठा-
अरे! ये तो बीन की विभिन्न धुनें हैं! मेरे सांप इस धुन को सुनकर मस्त हुए जा रहे हैं! सर्प रस्सियां टूट रही हैं! और तो और ये मेरे शरीर में घुसने का आदेश तक नहीं मान रहे हैं! इनसे तो बाद में निपटूंगा!
पहले उन लोगों को बचाना होगा जो अभी भी दलदल में फंसे हुए हैं!
मैं भी जब धंसने लगूंगा तो इच्छाधारी कणों में बदलकर बच जाऊंगा!
नागराज खुद दलदल में जा कूदा-
लेकिन उसे लोगों को बचाने की जरूरत नहीं पड़ी-
अरे! जमीन एकाएक सख्त होती जा रही है!
पेड़-पौधे आश्चर्यजनक गति से बढ़ रहे हैं!
पूरा इलाका अब दलदल से जंगल में तब्दील होता जा रहा है!
कैसे?
क्योंकि यह इतिहास का अगला चरण है नागराज! दलदल के सूखने के बाद यहां पर जंगल उग आया था! इतिहास ने फिर से समय बदल दिया है!
तो आखिर तुम भी यहां पर आ पहुंचे!

ध्रुव का सामना एक ऐसे खतरनाक प्राणी से था जो पूरी पृथ्वी को मिटा डालने तक की शक्तियां रखता था-
तू कुछ भी कर ले! गलागल वार तुझको गलाकर ही छोड़ेगा, ध्रुव!
इस संसार में ऐसी कोई ठोस वस्तु नहीं है, जिसको गलागल का स्पर्श तरल न बना दे!
लेकिन अगर यह वार किसी तरल पदार्थ पर ही लग जाए तो क्या होगा?
तो यह वार उल्टा मुझ पर ही आ लगेगा और मुझको पानी बना डालेगा! लेकिन ऐसा होगा नहीं! तुझे मैं बहुत सोच-समझकर यहां पर लाया हूं, जहां पर दूर-दूर तक किसी भी तरल पदार्थ का नामोनिशान तक नहीं है! हां, तेरे शरीर में जरूर रक्त जैसा तरल पदार्थ है! लेकिन रक्त एक जीवित जैविक तरल मिश्रण है! और यह गलागल वार जैविक तरल मिश्रण को छूकर नहीं पलटता! तेरे दिमाग का यह विचार असफल हो गया ध्रुव! सोच और सोच! तेरे दिमाग की तो मैंने बड़ी प्रशंसा सुनी है!
यह मेरी योजना को भांप तो रहा है!
लेकिन एकदम गलत!
ओह! ये... ये तूने क्या किया?
मैं शरीर के नहीं, बल्कि मोटर बाइक के रक्त यानी पेट्रोल के बारे में सोच रहा था! यहां पर यह इकलौता तरल पदार्थ है!
कारबुरेटर से पाइप को खींचते ही पेट्रोल की धार गलागल किरण से टकराई-
और किरण पलटकर अधम को ही आ लगी-
तू सच कह रहा था अधम! यह वार सचमुच हर चीज को गला देता है!
अब शायद मेरा स्टारट्रांसमीटर काम करे! नागराज और सधम तक अधम के नष्ट होने की सूचना तुरन्त भेजनी जरूरी है!

सूचना भेजने से पहले उसकी सच्चाई तो परख ले, ध्रुव!
यह समाचार झूठा है कि अधम नष्ट हो गया! अरे, अधम के तरल शरीर ने रेत के साथ मिलकर एक नया शरीर बना डाला है! जिसमें अधम की शक्तियों के साथ-साथ आकार बढ़ाने की भी क्षमता है!
ओफ! जिस मुसीबत को मैं खत्म हुआ समझ रहा था, वह तो और बढ़ गई है!
ध्रुव की ही तरह-
नागराज भी अपने दुश्मनों के सामने असहाय था-
तड़प कर छूटने की कोशिश मत कर नागराज! दलदल के सूखने के बाद यह जमीन चट्टान की तरह सख्त हो गई है! और वैसे भी तेरे शरीर से इतने सारे नाग निकलने के बाद तुझमें इतनी शक्ति बची नहीं है कि तू जमीन को तोड़कर निकल सके!
जब तक तेरी कलाइयां जमीन के अंदर हैं तब तक सौडांगी और शीतनाग जैसे शक्तिशाली सर्प भी तेरे शरीर से बाहर नहीं आ सकते!
और जब तक मेरी खिलौना बीनें हवा में उड़ती रहेंगी, तब तक इनके अन्दर से गुजरती हवाएं वे धुन बजाती रहेंगी जो तेरे बाहर मौजूद सांपों को मदमस्त रखेंगी!
वे भी तेरी मदद नहीं कर पाएंगे!
तुम लोग मेरी इच्छाधारी शक्ति को भूल रहे हो! मैं अभी कणों में बदलकर आजाद हो जाऊंगा!
और ऐसा करने से तुम सब मिलकर भी मुझे रोक नहीं सकते!

न न न, नागराज! इस भुलावे में मत रहना! हमने इसका इलाज भी सोचकर रखा है! ये 'शॉक क्वायन'! तेरे माथे से चिपकते ही ये...
...तुझे ऐसे बिजली के झटके देगा कि तू इच्छाधारी कणों में बदलने के लिए अपने दिमाग को केन्द्रित ही नहीं कर पाएगा!
और अब तेरी मौत तेरे सिर पर मंडरा रही है नागराज!
एक ही झटके में मेरी तलवार तेरे सिर को धड़ से जुदा कर देगी!
नागराज, सुपर विलेनों के जाल में मकरवी की तरह फंस चुका था-
मौत सामने खड़ी थी-
और वहां से दूर- एक और सुपर हीरो मौत से जूझ रहा था-
आऽऽऽह! इसकी रेतीली धारदार उंगलियां मुझे काट डालने के लिए इतनी तेजी से घूम रही हैं कि मेरी फुर्ती भी कुछ नहीं कर पा रही है!
इससे पहले कि ये मुझे काट डाले...
...मुझे इसको काटना होगा!
हा हा हा! बस, यही है तेरा दिमाग, ध्रुव! तेरे नुकीले सितारे तो मेरे रेतीले शरीर में धंसे जा रहे हैं! मुझे नुकसान नहीं पहुंचा पा रहे हैं!
ये सही कह रहा है! इसको काटने के लिए और जोरदार हथियार चाहिए! जैसे आरी!
और मुझे अपनी 'आरी' खुद तैयार करनी पड़ेगी!
स्टार ब्लेड्स मोटरसाइकल के पिछले टायर में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर धंसने लगे-

मोटरसाइकल स्टार्ट होते ही, स्टार ब्लेड्स से भरा पहिया तेजी से घूमा-
और आरी की तरह अधम के रेतीले शरीर को काटता चला गया-
वाह! मान गया तेरे दिमाग को! लेकिन मुझे काटने से मैं मरूंगा नहीं! इतनी देर में मेरी शक्तियां इतनी सक्रिय हो उठी हैं कि मैं गलागल की काट तैयार करके अपने आपको सामान्य रूप में वापस ले आऊं!
पर फिलहाल तो रेतीले शरीर को ही जोड़कर लड़ना होगा, क्योंकि गलागल का असर जाने में समय लगेगा! पर अब मुझे हाथ पैर से लड़ना नहीं पड़ेगा! अब मैं तुझ पर शक्ति वार करूंगा!
आऽऽऽह! रियर व्यू मिरर से टकरा कर किरणें पलट रही हैं!
यही इसकी शक्तियों की काट है!
अरे! किरण वार ने दूसरी तरफ से आकर शीशों को तोड़ दिया!
थोड़ा बहुत दिमाग अधम के पास भी है! अब तू नहीं बचेगा!
बचने के सारे तरीके तू आजमा चुका है! और असफल हो चुका है!

नागराज के सिर पर मौत मंडरा रही थी-
आखिरी बार इस दुनिया को देख ले नागराज!
लेकिन नागराज के सिर से टकराते ही-
अरे! ये तलवार तो सिर काटने के बजाय खुद ही टेढ़ी हो गई!
तुझको शायद पता नहीं है नागपाश कि मेरे गर्दन से नीचे के भाग को तो सूक्ष्म सर्प सुरक्षित रखते हैं, लेकिन गर्दन से ऊपर के हिस्से की रक्षा मेरी इच्छाधारी शक्ति करती है।
अब जब तक मैं जमीन में दबा हुआ हूं, तब तक तू मुझे मार नहीं सकता, और उतनी देर में मैं बचाव का कोई रास्ता सोच ही लूंगा!
नहीं! ऐसा नहीं होना चाहिए! तू बड़ी मुश्किल से मेरे शिकंजे में आया है!... पर मेरे पास तुझको मारने का एक और बड़ा जबरदस्त आइडिया है!
जानता है कि तू इस वक्त कहां पर है! वहीं पर जहां पर कभी तक्षक नगर हुआ करता था! बस मुझको इतिहास की मदद से एक बार वह समय जिन्दा करना होगा!
गहरा संबंध है! तक्षक नगर जीवित होने से राजा तक्षकराज और रानी ललिता भी जीवित हो उठेंगे! हम भूतकाल में उस वक्त में पहुंचेंगे जब तू अपनी मां रानी ललिता की कोख में भी नहीं आया था! उस समय में अगर मैं रानी ललिता और राजा तक्षकराज को मार दूंगा तो तू कभी पैदा होगा ही नहीं!
और इतिहास यह कार्य आसानी से कर सकता है! इतिहास, तक्षक नगर को जीवित करो!
लेकिन तक्षक नगर के जीवित होने का मेरी मौत से क्या संबंध है?
उधर रानी ललिता मरेगी और इधर तू अपने आप ही मिट जाएगा!
क्योंकि तब तेरा कहीं पर अस्तित्व होगा ही नहीं!

⊕ नागपाशा, तक्षकराज का भाई और नागराज का चाचा है। जानने के लिए पढ़ें: खजाना

नागपाशा को इस रूप में तक्षक नगर वासियों ने पहले कभी नहीं देखा था। इस कारण उसको कोई पहचान नहीं पा रहा था-
हमको अपने राज्य की रक्षा के लिए जाना ही होगा महारानी! आक्रमणकारी आश्चर्यजनक शक्तियों से युक्त है। और एक नकाबपोश आक्रमणकारी पर तो किसी भी वार का असर ही नहीं हो रहा है! उसके अंग कटकर फिर से जुड़ जा रहे हैं!
अगर ऐसा है, तो आप उससे कैसे निपटेंगे, महाराज!
वह तांत्रिक वार कर रहा है। और हमारे कुलदेवता कालजयी की कृपा से हमारे कवच में तांत्रिक वार रोकने की शक्ति है!
जरा संभलकर महाराज! अभी हमारे कोई संतान नहीं है! कहीं आपके साथ इस कुल का दीपक ही न बुझ जाए!
चिन्ता न करें महारानी! हम सकुशल लौटेंगे! और विजयी होकर लौटेंगे!
तक्षकराज को ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ी-
कहां जा रहे हो तक्षकराज? मौत से बचकर भागना चाहते हो?
मौत से बचने नहीं बल्कि मैं तेरी मौत बनकर आया हूं, नकाबपोश!
मेरी मौत कोई नहीं बन सकता! मैं अमर हूं!
तेरी आवाज जानी पहचानी सी लग रही है!
जानना चाहता है कि मैं कौन हूं? बताऊंगा! तेरी गर्दन उड़ाने से पहले तुझे अपनी शक्ल जरूर दिखाऊंगा।
ओ, तंत्रवार बेअसर रहा!
तू जानता नहीं है कि हमारे कवच को तंत्र पार नहीं कर सकता! वैसे भी यह रहस्य तो हमारे भाई तक को पता नहीं है!
यानी मुझे... आऊssss
खच
अब मैं तेरे टुकड़े करके शेरों को खिला दूंगा...
...ताकि उनकी भूख भी मिटे और तू कभी जुड़ भी न पाए!
ओsss तंत्ररोधी कवच का ज्ञान न होना मुझ पर भारी पड़ गया!
रुक जाओ राजाजी!

...वरना एक ही झटके में तुमको शादी शुदा से विधवा बना दूंगा!
अबे, विधवा औरतें होती हैं! आदमी विधुर बनते हैं!
... तो तुम्हारी रानी का हाल इस सैनिक जैसा हो जाएगा!
ऐसे!
कमीनो! वीरों की तरह युद्ध करो! कायरों की तरह स्त्री की आड़ मत लो!
हम वीर कहां हैं? हम तो खलनायक हैं! फेंको तलवार फेंको!
विधुर ही सही! हां तो राजा जी तुम्हारी रानी के बदन पर बम बंधा है! बम तो जानते ही हो न! विस्फोटक!
अब तुमने अगर तलवार नीचे नहीं फेंकी तो...
तक्षकराज को हथियार डालने के लिए मजबूर होना पड़ा-
शाबाश, अब इसके बदन पर भी बम बांध दो और रिमोट मुझे दे दो!
इसको नागराज के सामने ले जाकर मारेंगे और उसको अपनी आंखों से मिटता हुआ देखेंगे!
और फिर-
देख नागराज! एक जादू दिखाता हूं! इधर इनकी गर्दनें कटेंगी, और उधर तू मर जाएगा!
कौन है ये नागराज? और हमारे मरने से इसकी मृत्यु का क्या संबंध है?
नागराज की मृत्यु अब लगभग निश्चित थी-

और ध्रुव के लिए भी मौत को टालना अब आसान नहीं लग रहा था-
आऽऽऽह! इसकी किरणों का मेरे पास कोई जवाब नहीं है! अब न तो मैं ज्यादा देर तक इनसे बच सकता हूं, और न ही इनको रोक सकता हूं! इन किरणों को परावर्तित कर सकने वाला एकमात्र मिरर इसने तोड़ डाला है! और उसके अलावा और कोई हथियार...
वाऊ! एक आइडिया आ तो रहा है! ट्राई करके देखता हूं!
अगले ही पल- ध्रुव के शक्तिशाली हाथों ने पेट्रोल टैंक को मोटरसाइकल से अलग करके-
कड़ाक
अधम की तरफ पूरे पेट्रोल को उछाल दिया-
अधम का रेतीला शरीर पेट्रोल से तरबतर हो गया-
और ध्रुव के सिग्नल-फ्लेयर ने उसको सुलगाने में वक्त नहीं गंवाया-
ओऽऽऽ तुम क्या समझते हो कि आग मुझको जला सकती है! अरे आग से तो मैं नहाता हूं! शरीर की गन्दगी को जलाकर साफ करता हूं! आग मुझको ताजगी देती है, और स्फूर्ति देती है!
आग अपना काम कर रही है! अब बस मुझको आग के बुझने का इन्तजार करना है!
जल्दी ही आग बुझ गई-
अरे! ये तू मुझ पर क्या छिड़क रहा है?
इसको पेंट की स्प्रे कैन कहते हैं!
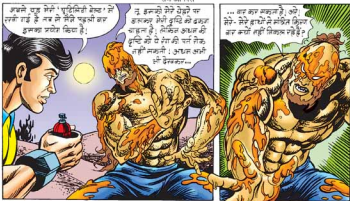
जबसे यह मेरी 'यूटिलिटी बेल्ट' में रखी गई है तब से मैंने पहली बार इसका प्रयोग किया है!
तू इसको मेरे चेहरे पर डालकर मेरी दृष्टि को ढकना चाहता है! लेकिन अधम की दृष्टि को ये रंग की पर्त रोक नहीं सकती! अधम अभी भी देखकर...
... वार कर सकता है! अरे! मेरे- मेरे हाथों से मंत्रित किरण वार क्यों नहीं निकल रहे हैं?
क्योंकि जब तुम्हारे बदन में आग लगी थी तो रेतीले शरीर की रेत ने पिघलकर तुम्हारे बदन पर कांच की एक पर्त चढ़ा दी थी! और उस पर पेंट पड़ने से वह कांच आइने की तरह काम कर रहा है! तुम्हारी किरणें बाहर निकलने से पहले ही उससे टकराकर पलट जा रही हैं!
आऽऽऽह! सचमुच तेरा दिमाग कमाल का है! तूने एक ही चीज का प्रयोग करके मुझे तीन बार हरा दिया!
इसलिए अब तेरे साथ मैं वह करूंगा जो अब तक किसी इंसान ने सुना तक नहीं है!

नागराज की मौत, नागपाशा के अंगूठे पर टिकी हुई थी-
हा हा हा! उल्टी गिनती गिन नागराज! दस... नौ... आठ... सात... छः... पांच...
ये गिनती तू नागराज के लिए नहीं, बल्कि अपने लिए गिन रहा है नागपाशा!
कौन नागपाशा के काम में दखल देने की हिम्मत कर रहा है?
तु... तु... तु... तुम! तुम एक साथ दो जगहों पर कैसे हो सकते हो? तुम तो जमीन में धंसे हुए हो!
वह तो मेरे शरीर में रहने वाला एक इच्छाधारी नाग है! चेहरे पर मिट्टी और शरीर न दिखने के कारण इतिहास धोखा खा गया! दरअसल सिक्का माथे से अलग होते ही मैंने इस सर्प को शरीर से निकाल दिया था, और खुद इच्छाधारी कणों में बदलकर आजाद हो गया था!
तेरी यह चालाकी कोई काम नहीं आएगी नागराज!
तू चाहे कहीं पर भी हो, इनके मरते ही तू भी मर जाएगा!
और साथ में तू भी! देख कि मेरे साथ कौन है?
ये... ये तो मैं हूं!
मैं! यानी तुम भी नागपाशा हो! ये क्या हो रहा है? मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है!
अब तुम क्या चाहते हो?
सबसे पहले महाराज और महारानी को आजाद करो और एक बम इतिहास और दूसरा बौना वामन तथा काल पहेलिया के शरीर पर बांधो और रिमोट मुझको दो!
फिर इतिहास हमको वर्तमान में वापस ले चलेगा!
तू... तू मुझको मार नहीं सकता नागराज! मैं तो अमर हूं! अमर हूं मैं!
इस वक्त नहीं हो! और अभी तुम्हारे पास वे तांत्रिक शक्तियां भी नहीं है जो तुमको बचा सकें! मेरे सांप का एक दंश तुमको इधर मौत के घाट उतारेगा और तुम वहां मर जाओगे! तेरी ही चाल मैंने तुझ पर ही आजमा दी नागपाशा!
नागपाशा एक से दो कैसे हो गया? और तुम कौन हो नागराज? हमारी मृत्यु से तुम्हारी मृत्यु कैसे जुड़ी हुई है?

अगर संतान के पैदा होने से पहले ही उसके माता पिता मर जाएं तो संतान को जीवन कैसे मिलेगा! मैं आपका वह अजन्मा बेटा हूं जिसको आप कुछ वर्षों के बाद पाएंगे!
यह सब मुझे मारने के षड्यंत्र का एक हिस्सा था! लेकिन इसने मुझको आपसे मिलवा दिया। मेरे उन माता पिता से जिनको मैंने अपने होश में कभी नहीं देखा!
काश, मैं यहां पर रुक सकता! पर हम इस युग के नहीं हैं! यह भूतकाल है! हमको वर्तमान में जाना ही पड़ेगा! चलो इतिहास!
बेटा नागराज, रुक जाओ! हमको छोड़कर मत जाओ! रुक जाओ!
नागराज पुत्र!
अरे! ये हम किसको पुकार रहे थे रानी?
पता नहीं! ऐसा लगा जैसे मैंने अपने बेटे को देखा हो!
तुम्हारी पुत्र की चाहत तुमको हर जगह अपना बेटा दिखाती है!
पर हम राजमहल से यहां पर कैसे आ गए?
पता नहीं रानी! कुछ समझ में नहीं आ रहा है! चलो, विश्राम करते हैं!
भविष्य के यात्रियों के लौटते ही उनकी यादें भी लुप्त हो गई थीं-
लेकिन राजा रानी के दिमाग में कहीं अपनी छाप छोड़ गई थीं-

और रेगिस्तान में-
अधम! तेरा खेल खत्म हुआ! तूने अपनी शक्तियों का प्रयोग करके मुझको अपनी स्थिति का पता बता दिया है! अब तू मेरे हाथों से नहीं बचेगा!
मेरा थोड़ा शरीर अभी भी रेतीला है! और मेरी शक्तियां पूर्ण रूप से वापस नहीं आई हैं!
आऽऽऽह! अपने दिमाग का इस्तेमाल करो ध्रुव! मेरी मदद करो!
अधम की रहस्यमय शक्तियों ने
ध्रुव को अपना गुलाम बना लिया था-
तुमको न मारकर मैंने अच्छा ही किया! तुम बिना मरे मेरे ज्यादा काम के हो ध्रुव!
वो तो है!
ये मानव तेरी कोई मदद नहीं कर सकता...
...और न ही तेरी कोई शक्ति तेरी मदद करेगी!
तू मरेगा और यहीं पर मरेगा!
सधम और अधम का युद्ध यहीं समाप्त होगा!
हम दोनों की शक्तियां लगभग बराबर की हैं! परन्तु धीरे-धीरे सधम मुझ पर भारी पड़ रहा है! कुछ करो!
फिलहाल तो सिर्फ भागो, अधम! यही बचने का इकलौता रास्ता है!
मेरे पीछे-पीछे आओ!

बचाव का यह तरीका मुझे समझ में तो नहीं आ रहा है! लेकिन तुम्हारे दिमाग पर भरोसा करने के अलावा और कोई चारा नहीं है!
भागने से भी तुम्हारा बचाव नहीं होगा अधम! मुझसे अब बच पाना असंभव है!
तभी-
ओह! एकाएक तीव्र वायु कैसे चलने लगी?
और हम उस क्षेत्र के ठीक बाहर हैं! जल्दी ही आंधी में उड़ती रेत तुमको अपनी चपेट में ले लेगी! और इस इलाके में उड़ती रेत कुछ ही पलों में ऊंचे-ऊंचे रेत के टीले बना देती है! अधम की शक्तियां तुमको इस आंधी से बाहर निकलने नहीं देंगी, और जैसे-जैसे रेत तुमको ढकती जाएगी!
एकाएक नहीं सधम! तुम उस रेगिस्तानी आंधी की चपेट में आ गए हो, जिसका पता मैंने अपने कमांडो हैडक्वार्टर से संपर्क साधकर लगाया था! अभी तुम आंधी के एक किनारे पर हो!
वैसे-वैसे तुम्हारी शक्तियां भी क्षीण पड़ती जाएंगी! क्योंकि अधम मुझको बता चुका है कि धरती उसकी तरह तुम्हारी शक्तियों को भी ढक लेती है, और यह रेत भी धरती का ही एक हिस्सा है!
आऽऽऽह! मे... मेरी शक्तियां क्षीण हो रही हैं!
नागराज को बुलाना होगा!
नागराज!

इन तीनों को तो तू बेहोश कर सकता है नागराज, पर मुझे रोकने के लिए तू क्या करेगा? मुझ पर तेरी विष फुंकार का ज्यादा असर होने वाला नहीं है!

मैं तक्षक नगर के भूतकाल में तुझ पर जो सर्प छोड़कर आया था, वह उसी काल का सर्प था! वह अभी भी तेरी गर्दन से लिपटा है और मेरे मानसिक संपर्क में है! अगर तूने कोई भी गलत हरकत की तो मेरा आदेश पाते ही वह तुझको काट खाएगा, और तू वहां पर मरते ही यहां पर भी नष्ट हो जाएगा!

स... स... सचमुच!

एकदम!

मैंने जो कुछ कहा है वह सच है या नहीं, मुझको नहीं पता! लेकिन नागपाश को डराए रखने के लिए यह कहानी काफी है! इतनी देर में मैं सधम को बचा लूंगा!

अरे! सर्प रस्सी कैसे कट गई?

खच

मैंने काटी है! सधम आजाद नहीं होगा! तुमको समझाने का वक्त मेरे पास नहीं है! बस मेरी बात का यकीन करो!

अब मैं सब कुछ समझ गया! अधम ने तुमको भेड़िया और परमाणु की तरह इसलिए नहीं मारा क्योंकि वह तुम्हारी मदद से सधम को मारना चाहता था! उसने तुमको गुलाम बना लिया है ध्रुव! पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा! मैं तुमको भी रोकूंगा और अधम को भी!

तू मेरे सामने एक जहरीले कीड़े से ज्यादा कुछ भी नहीं है नागराज! तुझको मसलने के लिए तो मुझको ध्रुव के दिमाग की आवश्यकता भी नहीं है! लेकिन फिलहाल मैं तुझको मारूंगा नहीं! सिर्फ बंधक बना कर रखूंगा! और वह भी सिर्फ सधन के खत्म होने तक!
अधम! तुम नागराज पर अपनी शक्तियों का प्रयोग करने के कारण सधन पर शक्ति वार नहीं कर पा रहे हो! और सधन आजाद होने की कोशिश कर रहा है!
सधन स्वतंत्र होने की चेष्टा नहीं कर रहा है, बल्कि स्वतंत्र हो चुका है!
कैसे?
मेरे सर्पों के कारण! तुम्हारी नजरें बचाकर मैंने रेत में सर्प छोड़ दिए थे! उन्होंने रेत को खोद-कर टीले को इतना धसका दिया था कि सधन अपनी शक्तियों का प्रयोग करके आजाद हो सके!

अब और कोई रास्ता नहीं बचा है ध्रुव! तुमको नागराज की जान लेनी ही होगी! वर्ना ये दोनों मिलकर हम पर भारी पड़ जाएंगे! मेरी पूरी शक्ति अभी वापस नहीं आई है! मैं मधम को रोके रखता हूं! तब तक तुम नागराज से निपटो!

जो आज्ञा, अधम!

होश में आओ ध्रुव! अधम ने तुमको अपने वश में किया हुआ है! मैं तुम्हारा दोस्त हूं, ध्रुव!

और इस नाते मुझको तुमसे लड़ना ही पड़ेगा...

...क्योंकि मुझको तुम्हें अधम के चंगुल से आजाद कराना है! तो आओ ध्रुव!

जब जागोगे तो तुम अधम के वश से आजाद होगे! क्योंकि तब तक अधम को नष्ट किया जा चुका होगा!

लेकिन हवा मेरी सर्प सेना को नहीं बिखेर पाएगी! मैं तुमको ऐसे सर्प खोल में कैद कर दूंगा जिससे तुम निकल नहीं पाओगे!

मेरे सर्प तेरे शरीर तक जरूर पहुंचेंगे! क्योंकि अब तेरे ब्रेसलेट तेरी कलाइयों पर नहीं रहेंगे!
नागराज बहुत शक्तिशाली है! अगर मैंने इसको सोचने का मौका दे दिया तो मेरी हार निश्चित है!
वैसे यह बात भी मेरे लिए अच्छी है कि नागराज मुझको मारने की नहीं, सिर्फ रोकने की कोशिश कर रहा है!
लेकिन फिर भी मुझे तो नागराज को मारने की कोशिश करनी है!
ध्रुव के गले से निकली उस पुकार ने उन सैकड़ों गिद्धों की नींद तोड़ दी, जो रेगिस्तान में फंसे हर उस शिकार पर नजर रखते थे जिसके शरीर पर मांस हो-
कीईईईई
फिर चाहे वे शिकार सांप ही क्यों न हों-
बहुत हो गया, ध्रुव! तू मेरी दो शक्तियों के वार तो बचा गया...
...लेकिन अब मैं तुझको अपना दोस्त नहीं बल्कि महापापी अधम का गुलाम समझ कर वार करूंगा...

अधम और सधम की लड़ाई भी जोर पकड़ रही थी-
आऽऽऽह! जल्दी करो! ध्रुव! और नागराज को खत्म करके मेरी मदद करो! मैं ज्यादा देर तक टिक नहीं पाऊंगा!
अधम मेरे दिमाग पर कुछ ज्यादा ही निर्भर हो रहा है! नागराज को मारना क्या बच्चों का खेल है? अभी तो उसके लिए मुझको मारना बायें हाथ का काम है!
ये... ये क्या है? ओह, समझा! यह मेरा काम कर सकता है! बस, नागराज को शक न हो!
अगले ही पल नागराज की आंखों में रेत का गुबार आ घुसा-
आऽऽऽह! इस चाल से तुम मुझसे बच नहीं सकते! नागराज तुमको ढूंढ ही निकालेगा!
आज मैं अपनी उस सर्प शक्ति का प्रयोग करूंगा जिसके प्रयोग से सांप अपने शिकार को ढूंढता है! अपनी जीभ का प्रयोग करूंगा तुम्हारी गंध पकड़ने के लिए!
वह रहे तुम!
तुमने मुझको तो पकड़ लिया नागराज! लेकिन यह नहीं देख पाए कि इस बीच में मैंने क्या किया है!
क्या किया है?
उस स्थान की रेत में कुछ दबाया है जहां पर तुम इस वक्त खड़े हुए हो!
क्या दबाया है?

वे बम दवाएं थे, जो बौना वामन और अन्य दो विलेनों के शरीर पर बंधे हुए थे! दरअसल रेत के अंदर दबे इस रिमोट पर मेरा हाथ पड़ा तो इसको छूकर ही मैं समझ गया था कि ये क्या चीज है! बस मैंने तुम्हारी आंखों में रेत डालकर फटाफट विलेनों के शरीर से बम खोले और रेत में दबाकर तुम्हारे इस स्थान तक आने का इंतजार करने लगा!
ब
ड़
म
शाबाश ध्रुव शाबाश! अब मुझे नागराज की जान निकाल लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी!
और फिर मैं मधन के प्राण निकालूंगा!
आऽऽऽ ह! नागराज के प्राण निकाल कर तू शक्तिशाली हो गया है! देर से समझा! लेकिन अब मैं तेरा खेल समझ चुका हूं! और किस्मत ने तेरी चाल को काटने के लिए मेरे पास भी कुछ शक्तिशालियों को भेज दिया है!
आऽऽऽई! ये... ये क्या हो रहा है! ओऽऽऽऽऽ
तेरी आत्मा खींच रहा हूं!

और तेरी जान के साथ-साथ मुझको इन बाकी दुष्टात्माओं की जान भी लेनी होगी!
तभी मैं अधम के बराबर हो पाऊंगा!
अब आर-पार की लड़ाई का समय आ गया था-
अधम और सधम के शरीर में समाई पुण्यात्माओं और दुष्टात्माओं की शक्तियां एक नए रूप में एक-दूसरे से टकरा रही थीं-
देखो, ध्रुव! ये है सधम का असली रूप! इसने नागराज के साथ जो कुछ भी तुमको बताया था वह सच था! सिर्फ उस कहानी में इसने मेरे और अपने नामों की जगह बदल दी थी! खुद अच्छा बन गया था और मुझको बुरा बना दिया था!

हां, ऐसा मैंने किया था! क्योंकि मुझे तुमको मारने के लिए पुण्यात्मा शक्ति की जरूरत थी! इसलिए मैंने नागराज को साथ रखा!
बस मुझको तेरी योजना का अगर जरा सा पहले पता चल जाता तो तुमसे पहले इन पुण्यात्माओं को मैं मार डालता!
तू इनको नष्ट करने के लिए मारता! लेकिन मैंने इनकी पुण्य शक्तियां लेने के लिए इनके प्राण हरे थे! तुझे नष्ट करने के बाद मैं इन सबको फिर से जीवित कर दूंगा!
ऐसा तू तब कर पाएगा, जब तू जीवित रहेगा!
तुझे पहली बार मैंने उसी यज्ञशाला के पत्थरों के नीचे दबा डाला था जिससे तेरा जन्म हुआ था! पर इस बार मैं तेरी बोटी-बोटी करूंगा!

और तू मरते-मरते एक और अद्भुत नजारा देखेगा। पूरी पृथ्वी पर फैलता पाप का राज, यानी सधल का राज!
ओह! ये तू क्या कर रहा है? उस अदृश्य 'पाप क्षेत्र' को जाग्रत कर रहा है, जो पृथ्वी के साथ-साथ तैरता रहता है, और जिसमें पापी प्राणियों को रखा जाता है!
हां! इस पाप क्षेत्र से पापात्माओं का इस पार आना असंभव समझा जाता है! लेकिन इन चार महापापियों ने मेरी पाप शक्ति को इतना बढ़ा दिया है कि मैं पाप क्षेत्र से इस पृथ्वी पर आने वाला द्वार खोल सकता हूं!
अब पूरी पृथ्वी ही एक पाप क्षेत्र बन जाएगी!

ओफ़! दुष्टात्माएं इस द्वार को पार करके पृथ्वी पर आ रही हैं! इन सबको नष्ट कर पाना संभव नहीं है! एक ही रास्ता है...
...तूने ये द्वार खोला है! और ये द्वार अब तभी बन्द होगा जब तुझे भी पाप क्षेत्र में धकेल दिया जाए!
पाप क्षेत्र में तो मैं तुझको धकेलूंगा! जहां पर करोड़ों पापी प्राणी तुझे और इन सभी पुण्यात्माओं को चटखारे ले लेकर खाएंगे!
अधम और सधम दोनों ही एक-दूसरे को पाप क्षेत्र में भेजने की कोशिश कर रहे थे-
लेकिन सधम, अधम पर भारी पड़ रहा था-
ओफ़! पाप क्षेत्र के अंदर से पापी आत्माएं भी सधम की मदद कर रही हैं! अधम और सुपर हीरोज को ये प्राणी अन्दर खींच रहे हैं!
मुझे अधम की मदद करनी होगी! करनी होगी!
अधम!

ओह! सारा खेल उल्टा हो गया! मुझे नागपाशा को तुरन्त यहां खींचना होगा! वर्ना ये सुपर हीरोज उसको बन्दी बना लेंगे!

अरे! ये... कहां गायब हो रहा है! खैर...

...फिलहाल तो मुझको सारे सुपर हीरोज की आत्माएं फिर से इनके शरीर में डालकर उनका धन्यवाद भी करना है, और माफी भी मांगनी है!

साथ ही साथ खलनायकों को जेल वापस भेजने से पहले इनकी याददाश्त भी साफ करनी है, ताकि ये सुपर हीरोज के गुप्त रूपों के बारे में भूल जाएं!

और फिर-

विदा अधम!

यह तो बताओ ध्रुव कि तुमको अधम और सधम की असलियत का पता कैसे चला?

अधम ने खुद मुझे बताया! मुझसे तीन बार मात खाने के बाद उसने मुझसे लड़ने के बजाय मदद मांगना ज्यादा अच्छा समझा, और मुझको वही कहानी सुनाई, जो तुम्हारे साथ सधम मुझको सुना चुका था!

लेकिन तुमने उसकी कहानी पर विश्वास कैसे किया?